

## **Daily** सच के हक में...

Kriti Sanon Looks Stunning In...

Ranchi ● Saturday, 01 February 2025 ● Year: 03 ● Issue: 19 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

# तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम कर रही केंद्र सरकार

शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लगभग एक घंटे के अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के इस तीसरे कार्यकाल में तीन गुना अधिक गति से काम हो रहा है। अर्थव्यवस्था को पॉलिसी पैरालिसिस (नीतिगत पंगुता) जैसी परिस्थितियों से उबारने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति दिखाई गई है। बजट सत्र की शुरूआत में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव और वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे कानूनों पर तेज गति से कदम आगे बढाया गया है। भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजिल दी तथा महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत पर दुखँ जताया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक संसद में बजट सत्र के पहले दिन संयुक्त सदन में राष्ट्रपति ने दिया अभिभाषण

आज संसद में

पेश किया

• अर्थव्यवस्था को पॉलिसी पैरालिसिस से उबारने के लिए दिखाई मजबूत

• एक राष्ट्र, एक चुनाव और जाएगा साल वक्फ (संशोधन) बिल पर 2025-26 का तेज गति से बढ़ाया कदम आम बजट

आवास योजना का विस्तार राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए पांच लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाने

की योजना है। उन्होंने कहा कि कोविड और उसके बाद के हालात तथा युद्ध जैसी वैश्विक चिंताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने जो स्थायित्व एवं लचीलापन दिखाया है, वो उसके सशक्त जम्मु-कश्मीर में विकास का नया वातावरण

राष्ट्रपति ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास का एक नया वातावरण बना है। वहां लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव अत्यंत शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों में अलगाव की भावना को समाप्त करने के लिए प्रयास किए हैं। दस से अधिक शांति समझौते कर सरकार ने अनेक गुटों को शांति के मार्ग से जोड़ने का काम किया है। राष्ट्रपति ने डिजिटल फ्रॉड, साइबर-क्राइम और डीपफेक को सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि सरकार र्ने इन साइबर-क्राइम को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए गए है।

6.3% से 6.8% की दर से बढेगी अर्थव्यवस्था : वित्त मंत्री

संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में भारतीय अर्थव्यवस्था के

2024-25 में 6.3 प्रतिशत 60 से 6.8 प्रतिशत की दर से बढने का अनमान लगाया गया है। राष्ट्रीय खातों के **र्क्षा पहले अग्रिम अनुमानों के** 

अनुसार, वित्त वर्ष २०२५ में भारत की वास्तविक जीडीपी में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण २०२४–२५ में कहा गया है कि हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच होगी। आर्थिक सर्वेक्षण के अनसार, रबी की अच्छी पैदावार से वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में खाद्य कीमतों पर लगाम लगने की संभावना है।

### पीएम ने मीडिया को सोनिया-राहुल गांधी के बयान पर बवाल

अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर विवाद हो गया। सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए बेचारी शब्द इस्तेमाल किया। वहीं राहुल ने भाषण को बोरिंग बताया। भाजपा ने इसे आदिवासी समाज का अपमान बताया। वहीं राष्ट्रपति भवन के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा- विपक्षी सांसदों का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी टिप्पणियों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने कहा- अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। वह मुश्किल से बोल पाँ रही थीं। राहुल गांधी ने कहा कि यह बोरिंग था, वहीं बातें बार-बार रिपीट की गई।

आपके एक ऑर्गन (अंग) से

किसी को नया जीवन मिल सकता है। कोई आपकी आंखों

से दुनिया देख सकता है। इसे

लेकर युवाओं में क्रेज देखा जा

रहा है। इसे लेकर अभियान भी

चलाए जा रहे है। इन सबके

बावजूद ऑर्गन डोनेशन का

आंकड़ा झारखंड में तेजी से नहीं

बढ़ पा रहा है। डोनेशन के लिए

फॉर्म भरने वालों की संख्या भी

बहुत कम है। इसका अंदाजा इस

बात से लगाया जा सकता है कि

ऑर्गन डोनेशन करने वाले राज्यों

में झारखंड देश में 18वें नंबर पर

है, जबकि हमारा पड़ोसी राज्य

तीन साल पहले हुई थी सोटो

किया संबोधित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट सत्र से पूर्व आशा व्यक्त की कि सरकार और संसद देश की आकांक्षाओं के बजट सत्र में खरे उतरेंगे। साथ ही उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि इस बार

संसद सत्र के पूर्व विदेश से विंगारी लगाने की कोई कोशिश नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट सत्र के आरंभ से पूर्व परंपरागत तौर पर मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार और संसद देश की आशा–आकांक्षाओं के बजट सत्र में खरे उतरेंगे। साथ ही इस बजट सत्र में सभी सांसद विकसित भारत को मजबती देने

के लिए अपना योगदान देंगे।

जिंदगी बचाने के लिए

ऑर्गन डोनेशन में देश

में 18वें नंबर पर झारखंड

### सेंसेक्स : 77,500.57 निफ्टी : 23,508.40

परंपरा और साँमाजिक चेतना का पूर्व है।

7,910 सोना चांदी 98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

### **O** BRIEF NEWS

एशियाई खेल : 88 सदस्यीय भारतीय दल को मिली मंजूरी

NEW DELHI: खेल मंत्रालय ने सात से 14 फरवरी तक चीन के शहर हार्बिन में होने वाले नौवें एशियाई शीतकालीन खेलों के लिए 88 सदस्यीय भारतीय दल की भागीदारी को मंजूरी दी है। इससे दल के आकार को लेकर कई सप्ताह से चल रही अनिश्चितता समाप्त हो गई। दल में अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस–कंट्री स्कीइंग, फिगर स्केटिंग, शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग और स्पीड स्केटिंग (लॉन्ग ट्रैक) जैसे खेलों में 59 खिलाड़ी और 29 टीम अधिकारी शामिल होंगे और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल महासंघ सहायता (एएनएसएफ) योजना के तहत सरकार से पूर्ण वित्त पोषण प्राप्त होगा। हालांकि २३ सदस्यीय पुरुष आइस हॉकी टीम और इस खेल से जुड़े सात सहायक कर्मचारियों की सरकारी खर्चे के बिना भागीदारी को मंजूरी दी गई है।

### आज 116 देशों के राजनयिक संगम में लगाएंगे डुबकी

PRAYAGRAJ : संपूर्ण दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना प्रयागराज महाकुंभ नित नए कीर्तिमान रच रहा है। विश्व के 116 देशों के राजनियक शनिवार को महाकुंभनगर आ रहे हैं। सभी राजनियक प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से हेलीकाप्टर से अरैल पहुंचेंगे। राजनियकों के साथ विदेशमंत्री एस .जयशंकर पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सभी का प्रयागराज में स्वागत करेंगे। सभी राजनयिक अरैल पहुंचने पर सबसे पहले अपने देश का झंडा फहरायेंगे। इसके बाद संगम में डुबकी लगाने पहुंचेंगे। यह वैश्विक आयोजन मां गंगा के तट पर होगा। इस समागम में धुर विरोधी रूस और यूक्रेन के राजदुत भी शामिल होंगे। इसके अलावा अमेरिका, बांग्लादेश, जापान, जर्मनी, हंगरी, बेलारूस, कजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, नेपाल, थाईलैंड, स्वीडन व स्विटजरलैंड समेत 116 देशों के राजनयिक अमृतकाल के साक्षी बनेंगे।

## सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग में दिया निर्देश

# जीबीएस बीमारी से ग्रस्त मरीजों की पहचान कर करें इलाज : हेमंत

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) बीमारी की रोकथाम के लिए तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस बीमारी से ग्रस्त मरीजों की पहचान और उनके इलाज की विशेष व्यवस्था की जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन इस बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता फैलाना जरूरी है। मख्यमंत्री ने कांके रोड स्थित मख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान अधिकारियों से गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) बीमारी के संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। बैठक में

### गुड़लेन-बैरे सिंड्रोम बीमारी की रोकथाम की तैयारियों की हुई समीक्षा

अलर्ट मोड में रहे स्वास्थ्य विभाग, बचाव के लिए रिम्स में बीमारी से निपटने का किया गया है जागरूकता जरूरी, मरीजों को हॉस्पिटल पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्ट सिस्टम को रखें दुरुस्त

जीबीएस जांच के लिए मुफ्त सेंटर किए जाएं स्थापित • दुषित पानी और कच्चे भोजन से फैलती है गुइलेन बैरे सिंड्रोम बीमारी

•हर जिले में



मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट किया कि जीबीएस के बारे में गलत सूचना या भय को फैलने से रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाने की आवश्यकता है। इस बीमारी से बचाव के उपायों पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने आम लोगों को इस विषय पर सही जानकारी देने का आह्वान किया।

वर्चुअली जुड़े थे, जबिक स्वास्थ्य और जिलों के उपायुक्त स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी विभाग के अन्य वरीय अधिकारी

पूरा इंतजाम, हॉस्पिटलों में बेड व पर्याप्त दवाएं रखने का अधिकारियों को दिया आदेश

### नहीं फैलना चाहिए भ्रम, संदिग्ध को तुरंत रेफर किया जाए रिम्स

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जीबीएस बीमारी दूषित जल और कच्चे भोजन से फैलती हैं। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती है, इसलिए इसको लेकर लोगों के बीच भ्रम नहीं फैलाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आम जनता को जागरूक करना सबसे प्रभावी उपाय होगा। इसके लिए राज्यभर में प्रचार-प्रसार अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। मख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन हैं, वहां से झारखंड आने वाले व्यक्तियों की जांच की व्यवस्था की जाए। हर जिले में

जीबीएस जांच के लिए मुफ्त सेंटर स्थापित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में बेड, दवाएं और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था पुख्ता करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि यदि कोई संदिग्ध मरीज मिले, तो उसे तुरंत रिम्स रेफर किया जाए और रिम्स तक पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को तैयार रखा जाए। मुख्यमंत्री ने सिविल सर्जनों को निर्देशित किया कि वे दस बीमारी से संबंधित खबरों और अपडेट्स पर नजर रखें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

### बिहार झारखंड से दो पायदान ऊपर है। सबसे ऊपर ओड़िशा है, जहां 6025 लोगों ने ऑर्गन डोनेशन की इच्छा जताई है।

की स्थापना

राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल रिम्स में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्य ऑगेर्नाइजेशन (सोटो) की स्थापना तीन साल पहले हुई थी। इसका उद्देश्य लोगों को ऑर्गन डोनेशन के लिए जागरूक करना है। सोटो इसे लेकर लगातार अभियान भी चलाता है। वहीं हॉस्पिटल के इनडोर में जाकर मरीजों के परिजनों को भी जागरूक किया जाता है, ताकि वे अंगदान के लिए आगे आएं। अंगदान करने वालों में रांची और पूर्वी सिंहभूम में ज्यादा लोग

जागरूक हैं। रांची में अब तक

300

170

69

पर्वी सिंहभम 210

गुमला

बोकारो



अब तक १५७९ लोगों ने राज्य में

इस कार्य में दिखाया है इंटरेस्ट

🛮 अंगदान

के लिए

सबसे

ज्यादा

रांची में

लोगों ने

फॉर्म

● टॉप पर है

ओडिशा

यहां

6025

लोगों ने

अंगदान

की जताई

इच्छा

300 लोगों ने ऑर्गन डोनेशन में इंटरेस्ट दिखाया है, जबकि पर्वी सिंहभम में 210 लोगों ने इच्छा जताई है। इसके अलावा तीसरे नंबर पर 170 डोनर्स के साथ गुमला है। चौथे नंबर धनबाद है, जहां 119 लोग आर्गन डोनेट करना चाहते हैं। शेष जिलों में आंकडा 100 के पार भी नहीं पहुंचा है। 15 जिलों में अंगदान करने वालों का आकंडा 50 भी नहीं पहुंच

दुमका

पाकुड़

23

10

### मौसम का मिजाज : सुबह-शाम हल्की ठंड, दिन में अब तेजी से बढ़ रही गर्मी एक दिन में 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया तापमान

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

दो-तीन दिन पहले ही ठंड में कनकनी महसूस हो रही थी। अब अचानक मौसम ने मूड बदल दिया है। दिन में गुरुवार से लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा था, जो शुक्रवार को और बढ़ गया। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन में शुक्रवार को अधिकतम तापमान में 3 डिग्री की बढ़ोंतरी हो गई है। न्यूनतम तापमान में भी 3–4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। 24 घंटों में मौसम भी शुष्क रहा। मौसम विभाग के पूर्वार्नुमान के अनुसार दिन में लोगों को अब गर्मी का एहसास होगा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के कारण ऐसा हुआ। मौसम विभाग की

### 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक होगी वृद्धि

• चतरा में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस किया गया दर्ज

• सबसे अधिक उच्चतम तापमान सरायकेला में 33.9 डिग्री सेल्सियस रहा



### अब धीरे-धीरे टेंपरेचर में होती रहेगी वृद्धि

पिछले 24 घंटों की बात करें तो झारखंड के चतरा का न्युनतम तापमान 9.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि उच्चतम तापमान सरायकेला में 33.9 डिग्री हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि

होगी, जिससे लोगों को ठंड से राहत

की संभावना नहीं है। बताया गया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राजधानी रांची का अधिकतम तापमान बढकर 28.8 डिग्री हो गया है, जबकि न्युनतम तापमान 14.4 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी और निकटवर्ती मध्य भागों में आंशिक बादल छाए रहेंगे।

मिलेगी। दो-तीन दिनों के बाद इसके

बाद इसमें अचानक कोई बडे बदलाव

### हजारीबाग में पंचायत सचिव को घुस लेते

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने हजारीबाग जिले के इचाक

सचिव रमेंद्र कुमार सिन्हा को घूस लेते रंगे हाथ दबोच लिया। वह मनरेगा के लाभुक से छह हजार रुपए रिश्वत ले रहा था। पीडित ने रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एसीबी से की थी।

इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को जेपी केंद्रीय कारा भेज दिया गया। एसीबी हजारीबाग प्रमंडलीय थाना मे कांड संख्या 2-2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। गिरफ्तार पंचायत सचिव रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र के होहद गांव का रहनेवाला है। मस्टर रोल पर हस्ताक्षर करने के नाम घुसली जा रही थी। पंचायत सचिव इंचाक अलौंजा कला निवासी ओमप्रकाश मेहता से टीसीबी निर्माण कार्य की बकाया राशि के भुगतान के लिए मस्टर रोल पर हस्ताक्षर करने के एवज में छह हजार रुपया घूस मांग रहा था। लाभुक ओमप्रकाश मेहता घूस की राशि नहीं देना चाहता था। उसने इसकी शिकायत एसीबी प्रमंडलीय कार्यालय हजारीबाग में की। एसीबी एसपी के निर्देश पर मामले की जांच कराई गई। जांच में शिकायत सही पाई गई। उसके बाद एसपी ने टीम गढित की।



### एसीबी ने रंगेहाथ दबोचा HAZARIBAGH : शुक्रवार को

प्रखंड कार्यालय • मनरेगा के

परिसर में पंचायत लाभुक से ₹6000 रिश्वत ले रहा था रमेंद्र

### बकाया राशि लौटाने की फिर उढाई आवाज केंद्र के बजट से हमें कोई अपेक्षा नहीं : राधाकृष्ण **PHOTON NEWS RANCHI:** शनिवार को संसद में केंद्र सरकार

किस जिले में कितने डोनर

41

विरिडीह

रामगढ

का 2025-26 काआम बजट आ रहा है। शुक्रवार को झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार के बजट से कोई अपेक्षा नहीं है। उन्होंने फिर आवाज उठाई है कि केंद्र सरकार राज्य की बकाया राशि का भुगतान करे। वह धनबाद में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पास झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया है। इसका भुगतान उन्हें करना चाहिए। यह राशि राज्य के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वित्त मंत्री ने कहा कि मार्च में



• राजस्व लक्ष्य पूरा करने के सभी विभागों के साथ मीटिंग

वित्तीय वर्ष का आखिरी महीना है, इसलिए उन्होंने सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठक करने का फैसला किया है, ताकि राजस्व लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

बेहद कम तापमान पर भी जिंदा रहती हैं कुछ प्रजातियां

# सुखे मौसम में खतरनाक होते हैं मलेरिया पैदा करने वाले मच्छर

प्राणी जगत में मच्छर कीट प्रजाति के जीव कहलाते हैं। जीव वैज्ञानिकों के अनुसार, इनकी 3600 प्रजातियां पाई जाती हैं। अलग-अलग प्रजातियां दुनिया के सभी देशों में पाई जाती हैं। ये कहीं कम तो कहीं ज्यादा हानिकारक होती हैं, लेकिन मनुष्य के लिए सभी प्रजातियां हानिकारक हैं, क्योंकि कई प्रकार की बीमारियां पैदा करती हैं। सभी प्रजातियों की कुछ अलग-अलग अपनी खासियत होती है। सामान्य रूप से हम जानते हैं कि मच्छरों के काटने से प्लाज्मोडियम नामक एक कोशिकीय जीव खून में जाकर मलेरिया रोग पैदा करता है। काटनें के दौरान मच्छर की लार व्यक्ति की त्वचा पर स्थानांतरित हो जाती है। इसकी वजह से एक खुजलीदार दाना बन जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि कई प्रजातियां काटते समय रोगजनकों को निगल सकती हैं। मच्छर मलेरिया और फाइलेरिया जैसे परजीवी रोगों और पीतज्वर, चिकनगुनिया, पश्चिम

नील विषाणु, डेंगू ज्वर जैसे रोगों के महत्वपूर्ण वाहक

हैं। बीमारियां फैलाकर मच्छर किसी अन्य जीव की

तुलना में लोगों की मृत्यु का बड़ा कारण बनते हैं।

### मौसम में होने वाले परिवर्तन के अनुरूप अपने को ढाल लेने में होते हैं सक्षम एक स्थान पर वातावरण प्रतिकूल होने पर अब नए क्षेत्रों में बनाने लगे ठिकाना सिनिसनाटी विश्वविद्यालय से हाई टेंपरेचर में भी कम

जुड़े वैज्ञानिकों ने नए लक्षणों का किया विस्तृत अध्ययन

सूखे के दौरान खुद को हाइड्रेटेड बनाए रखने के लिए अधिक बार काटते हैं

अपने शिकार को खोजने के लिए करते हैं कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग गर्म होतीं सर्दियां मच्छरों को जीवित रहने और बढ़ने में साबित हो रहीं मददगार

एकत्रित कर <u>गर्मी में अंडा</u>

<u> बेना शुरू कर देती</u>

टंडे मुल्कों में भी अब हो रहे सक्रिय

जाता है कि सूखे मौसम और जल स्रोतों के सूखने के साथ मच्छरों की आबादी घट जाएगी, लेकिन

वास्तविकता इसके विपरीत है। मच्छरों के पास ऐसे कठोर मौसम में भी बचे रहने के लिए गजब की क्षमता होती है।

### नहीं होता संक्रमण सिनसिनाटी लिए कार्बन डाइऑक्साइड

विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि सूखे के दौरान मच्छरों से होने वाले संक्रमण की घटनाएं हमेशा कम नहीं होती जर्नल आईसाइंस में पकाशित अध्ययन के अनुसार मच्छर अपने शिकार को खोजने के

का उपयोग करते हैं। अगर मच्छर कार्बन डाइऑक्साइड को महसूस नहीं कर पाएंगे तो उन्हें काटने के लिए कोई नहीं मिलेगा। ऐसे में वे सूखे की स्थिति में जीविंत नहीं रह पाएंगे। मच्छरों की कुछ प्रजातियां टंडे तापमान में भी जीवित रह सकती हैं।

# हैदरनगर बाजार में दिनदहाड़े अधेड़ की गोली मारकर हत्या

जगदंबा कॉम्प्लेक्स के सामने चली गोली, हथियार सहित गिरफ्तार हुआ अपराधी

समय गोली चली उस समय

इमामुद्दीन के साथ उनके गांव के

मोहम्मद अब्बास भी थे। अब्बास

के अनुसार इमामुद्दीन अंसारी घर

से बाजार आए थे। चौक बाजार

की ओर से दोनों रेलवे गुमटी की

आ रहे थे। जगदंबा

**PHOTON NEWS PALAMU:** पलाम् जिले के हैदरनगर बाजार में दिनदहाड़े किसान की गोली मारकर हत्या करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया गया है। घटना के बाद युवक पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे घेरकर पकड़ा। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगा रही है। आरोपित की पहचान हैदरनगर मेन रोड स्थित ब्रह्मस्थान के समीप रहने वाले जग्गू अंसारी का पुत्र मुमताज अहमद उर्फ लड्ड के

शुक्रवार दिनदहाड़े हैदरनगर थाना क्षेत्र के बहेरवाखांड किसान इमामद्वीन अंसारी की हैदरनगर बाजार में गोली मारकर हत्या कर

रूप में हुई है।



अस्पताल में जुटे ग्रामीण

दी थी। चार गोली मारकर

अपराधी पैदल ही रेलवे क्रॉसिंग

की तरफ भाग निकला था।

तत्काल घायल इमामुद्दीन अंसारी

को प्राथमिक स्वास्थ्य हैदरनगर में

पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें

मृत घोषित कर दिया था। जिस

फिल्मी स्टाइल में हुई हत्या के बाद बाजार में अफरातफरी मच गई। दुकानदारों ने डर के चलते अपनी दुकानें बंद कर लीं। घटना के बाद हमलावर पिस्टल लहराते हुए रेलवे क्रासिंग की तरफ पैदल ो गया। बताते चलें कि हैदरनगर में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते दिनों एक सीएसपी संचालक से अपराधियों ने पिस्टल दिखाकर 80 हजार रुपये लूट लिए थे। अब इस हत्या ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े

हत्या के बाद बाजार

की दुकानें हो गई बंद

कॉम्प्लेक्स के पास आरोपित चौक बाजार की ओर से आया. उसने इमामदीन को बोला कि बहुत हीरो बनते हो, बॉस बनते हो बोलकर तड तड गोली चला

दी। इमामदीन अंसारी वहीं गिर गये। तत्काल ग्रामीणों ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरनगर पहुंचाया और हैदरनगर पुलिस को

### इमामुद्दीन अंसारी पांच साल पहले तक अन्य राज्यों में

प्लांट में मजदूरी करता था। अब उसके पत्र बाहर काम करते हैं और इमामद्दीन पिछले पांच वर्षों से घर पर ही रह रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनका किसी के साथ कोई विवाद नहीं था, जिससे हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

### हाथी ने किसान को

प्रखंड में हाथियों के झुंड ने एक किसान को पटककर मार डाला। यह घटना बहेरी पंचायत के चानों गांव में गुरुवार रात करीब एक बजे हुई। मृतक की पहचान छोट्र महतो (57) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पॉस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी गांव पहुंची है। बहेरी पंचायत के मुखिया पवन कुमार यादव ने बताया कि छोटू महतो खेत में ही रहते थे। कारण कि वह सीजनल खेती करते थे। गुरुवार की रात भी वह अपनी पत्नी कें साथ खेत में बने घर में ठहरे हुए थे। रात करीब 12 बजे हाथियों का झुंड छोटू महतो के खेत में घुस आया और घर को तोड़ दिया। डर के मारे छोटू महतो भागने लगा, लेकिन एक हाथी ने उन्हें सूंड से पकड़कर जमीन पर पटक दिया, जिससे उनकी मौत मौके पर ही हो गयी। वहीं, उनकी पत्नी ने दीवार के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को भगाने और किसानों को मुआवजा

### पांच साल से घर पर ही रह रहा था इमामुद्दीन

वीडियो वायरल होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया एवं उपायुक्त को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो की जांच रिपोर्ट पर उपायक्त ने कार्रवाई करते हुए अंचल राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार को शुक्रवार को निलंबित कर दिया। 24 घंटे के भीतर हुई इस कार्रवाई से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। बता दें कि गुरूवार को हैदरनगर थाना क्षेत्र के बलडिहरी गांव की रहने वाली ऐशुन बीबी से म्यूटेशन के एवज में रिश्वत लेते हुए मोहम्मदगंज के अंचल राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार का वीडियो वायरल हो गया था। पीड़िता विधवा महिला है। महिला गिड़गिड़ाती रही, लेकिन राजस्व निरीक्षक ने एक नहीं सनी और म्यटेशन करने के लिए 12 हजार रुपये की मांग

एनएच-133 में निमार्णाधीन

फोरलेन परियोजना के लिए मिट्टी

ढो रहे डंपर ने शुक्रवार को

पथरगामा प्रखंड के गांधीग्राम-

चांदनी चौक रोड पर होपनाटोला

गांव के निकट बाइक सवार

पंचायत समिति सदस्य हरिश्चंद्र

महतो को रौंद दिया है। इससे

घटनास्थल पर ही पंचायत समिति

सदस्य की मौत हो गई। ग्रामीणों ने

घटनास्थल पर डीबीएल कंपनी के

डंपर को रोड पर खड़ा कर दोनों

मृतक बोहा पंचायत के पंचायत

समिति सदस्य ४० वर्षीय हरिश्चंद्र

महतो के शव को सड़क पर रख

कर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर

आंदोलन शुरू कर दिया है। हजारों

की संख्या में ग्रामीण वहां जुट गए।

ओर से सड़क जाम कर दिया।

घुसखोर राजस्व

निरीक्षक निलंबित

PALAMU : पलामू जिले के

### बस और पिकअप की टक्कर में एक की मौत, सात घायल



दुर्घटनाग्रस्त वाहन

HAZARIBAG : चतरा से कोडरमा जा रही एक बस शुक्रवार

की सुबह बरही ओवरब्रिज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात यात्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार चतरा से कोडरमा जा रही बस और पिकअप वैन की टक्कर में बस उपचालक की मौत हो गई। घायल हुए 7 लोगों को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां सभी का इलाज चल रहा है। मतक विजय राम बस का उपचालक था। वह झुमरी तिलैया का रहने वाला था। पुलिस ने

डंपर ने पंसस को कुचला, हुई

दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। पिकअप वैन के डाइवर समेत सात घायल हो गए हैं। घायलों में आफताब, मोहम्मद जियाउद्दीन, सुधा देवी, सिंघानी देवी, कांति देवी, जुली कुमारी और संजय कुमार (पिकअप वैन का ड्राइवर) हैं। सभी घायल चतरा के बताये गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस (जेएच 02 क्यू 7562) सुबह में चतरा से कोडरमा जा रही थी। बरही ओवरब्रिज के पास सवारी उतारने के लिए ड्राइवर ने बस खडी की थी। पटना की ओर से आ रहे पिकअप वैन ने बस

### **BRIEF NEWS**

### जिला कल्याण पदाधिकारी को दी गई विदाई



सेवानिवृत्ति पर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में विदाई दी गई। उपायक्त नैन्सी सहाय, डीडीसी इश्तियाक अहमद सहित कई पदाधिकारियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की कामना दी। इस दौरान

एसडीओ राजिकशोर प्रसाद सिहत कई पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

### झारखंड-बिहार सीमा सील, वाहनों की लगी कतार

HAZARIBAG: प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण बिहार-झारखंड सीमा पर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। बिहार सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हजारीबाग के चौपारण में अपनी सीमा को सील कर दिया है, जिससे झारखंड से बिहार की ओर जाना मुश्किल हो गया है। कोलकाता-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) पर पिछले चार दिनों से जाम की स्थिति बनी हुई है। हजारीबाग जिले के पास बिहार सीमा क्षेत्र में वाहनों का परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया है। विशेष रूप से छोटी कारों और निजी वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने बताया कि केवल बिहार से झारखंड आने वाले यात्रियों के लिए एक तरफ का मार्ग खुला रखा गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, तब तक जीटी रोड पर सफर करने से बचें। वर्तमान में कई यात्री जहां हैं, वहीं फंसे हुए हैं और उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यातायात की स्थिति तभी सामान्य होगी, जब बिहार सरकार सीमा को फिर से खोलने का निर्णय लेगी। इस बीच, प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए

### रोजगार मेला में 25 कंपनियों ने लिया हिस्सा



RAMGARH: रामगढ़ कॉलेज प्रांगण में शुक्रवार को जेएसएलपीएस के जरिये रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में 25 कंपनियों ने हिस्सा लिया। इस मेले बेरोजगार पाने के लिए यवाओं की भीड उमडी। 1000 युवाओं ने रोजगार के लिए अपना पंजीकरण कराया। इसमें से 800 युवाओं ने रोजगार के प्रति दिलचस्पी दिखाई। पलाश ( झारखंड स्टेट लाईवलीहड प्रमोशन सोसाइटी) के जरिये 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक मनाए जा रहे चौथे जनजातीय गौरव दिवस के तहत और ग्रामीण विकास विभाग के जरिये जिला स्तरीय रोजगार सुजन मेला 2025 का आयोजन किया गया। रोजगार मेला का मुख्य उद्देश्य रामगढ़ जिले के युवक युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और नियोक्ताओं के साथ सीधा संपर्क करना था। इस अवसर पर पूरे देश से 25 नियोक्ताओं ने अपना स्टॉल लगाया। वही वे युवकों युवितयों को विभिन्न क्षेत्रों में योग्यता के आधार पर ट्रेनिंग देकर रोजगार प्रदान करते है। कार्यक्रम में विधायक ममता देवी, जिला नियोजन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला अग्रणी प्रबंधक, रामगढ़ कॉलेज के प्रिंसिपल, आरएसईटीआई डायरेक्टर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला प्रबंधक उपस्थित हुए। साथ ही राज्य कार्यालय से स्किल डोमेन से साइ दत्ता और अमित कमार उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक रीता सिंह के द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। उनके द्वारा जिला स्तरीय रोजगार सुजन मेला के उद्देश्य के बारे में बताया गया। ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए युवक और युवितयों को जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

### बहुत जल्द 26 हजार शिक्षकों की होगी बहाली : मंत्री



CHAIBASA: राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने झारखंड में शिक्षक बहाली में जेटेट के अभ्यर्थियों को ही शामिल करने का फैसला सुनाया है। सीटेट और अन्य राज्य से पास टेट अभ्यर्थियों की बहाली प्रक्रिया से बाहर रखने का आदेश दिया है। शिक्षा मंत्री शुक्रवार को चाईबासा पहुंचे थे और उन्होंने इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए बहुत जल्द झारखंड में 26 हजार शिक्षकों की बहाली करने की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने झारखंड सरकार और झारखंड के जेटेट परीक्षा पास अभियार्थियों के हक में यह फैसला सुनाया है। इसमें राज्य से बाहर टेट परीक्षा पास और सीटेट परीक्षा पास करने वालों को झारखंड के शिक्षक बहाली में शामिल होने पर रोक लगा दी गयी है।

### कैटरिंग सर्विस चलाने वाले युवक की गोली मारकर हत्या

JAMTARA: मिहिजाम में कैटरिंग सर्विस चलाने वाले एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना गरुवार की देर रात हांसीपहाडी रेलवे फाटक के पास हुई। सूचना मिलते ही मिहिजाम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क किनारे झाड़ियों से 25 वर्षीय राहुल उर्फ लिफ्टी सिंह का शव बरामद किया। राहुल को बिल्कुल करीब से कनपटी में एक गोली मारी गई है। मृतक मिहिजाम के कृष्णा नगर स्थित स्ट्रीट नंबर-6 में अपनी दादी और बड़े भाई के साथ रहता था। राहुल कैटरिंग सर्विस का काम करता था। पुलिस के अनुसार युवक की पत्नी पश्चिम बंगाल के कल्याणग्राम में रहती है। युवक का पिछले कुछ दिनों से उसकी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। घटना के सिलसिले में पुलिस ने उसके दो दोस्तों को भी हिरासत में लिया है। दोनों उसके साथ कैटरिंग सर्विस में



अस्पताल में मृतक

ही काम करते थे। इनमें से एक दोस्त मृतक की पत्नी से अक्सर फोन पर बात करता था, लेकिन कुछ दिनों पूर्व मृतक की पत्नी ने उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया था। बीती रात सभी मिहिजाम के एक लॉज में आयोजित एक कार्यक्रम में कैटरिंग सर्विस का काम कर रहे थे। काम खत्म होने के बाद देर रात को इनके बीच किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। सभी एक साथ कानगोई हांसीपहाड़ी की ओर बाइक से गए थे। पुलिस ने आशंका जताई है कि युवक की हत्या पत्नी से चल रहे विवाद की वजह से ही गई है।

HAZARIBAG : जिले के सदर

# मौत, विरोध में किया सड़क जाम

इसी डंपर से हुई थी दुर्घटना, घटनास्थल पर लगी मीड़

घटनास्थल पर पहुंचे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शुक्रवार की सुबह नौ बजे पंसस हरिश्चंद्र महतो बाइक से पथरगामा से गांधीग्राम के रास्ते अपने पैतृक गांव तेलोलिया जा रहे थे। इसी बीच होपनाटोला के निकट मिट्टी लेकर आ रहे डीबीएल कंपनी के डंपर ने सामने से रौंद दिया। हादसे में पंसस के सिर पर ही डंपर का चक्का चढ़ गया, जिससे सिर बुरी

तरह कुचल गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर चालक की लापरवाही से यह घटना घटी । हादसे के बाद चालक डंपर को सड़क पर छोड़ कर फरार हो गया। घटना स्थल से मृतक के गांव की दुरी महज आधा किमी है। हादसे की सूचना के बाद तेलोलिया गांव से मृतक के स्वजन सहित काफी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर

## विजय यादव हत्याकांड का 24 घंटे के अंदर खुलासा, चार किए गए गिरफ्तार

निवासी विजय यादव हत्याकांड का खुलासा गिरिडीह पुलिस ने 24 घंटे में कर लिया। शुक्रवार को एसपी डॉक्टर विमल कुमार और एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने संयुक्त रुप से संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि मृतक विजय यादव हत्याकांड को उसके गांव के आरोपितों ने अंजाम दिया । चारों की गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तार आरोपितों में सिंघो गांव निवासी बाबचंद यादव, पवन यादव, अरुण शर्मा और मनोज यादव

हत्याकांड के कुछ ओर आरोपित अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। एसपी ने बताया कि चारों आरोपितों के साथ कई अन्य ने

PHOTON NEWS HAZARIBAG:



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

विजय यादव की हत्या एक पुराने रंजिश में शामिल है। हालांकि ये स्पष्ट नहीं हुआ कि मतक के साथ उसके कत्ल के आरोपितों के बीच किस बात को लेकर रंजिश थी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल होने वाले कई समानों को भी बरामद किया है। इसमें एक बॉलरों

• फोटोन न्यूज पिकअप शामिल है। आरोपितों ने दो दिन पहले मतक का अपहरण कर जमुई के सिमुलतल्ला ले जाकर धारदार हथियार फरसा से वारकर हत्या की । पुलिस ने फरसा के साथ चारों के मोबाइल फोन और तार, बेल्ट, गमछा मृतक के कपड़े के साथ हत्या के दौरान

जिस कपडे को पहनकर विजय कर लिया गया। इसके लिए पुलिस ने जमुई के सिमुलतल्ला के पुल के समीप से मिट्टी भी जब्त किया

जहां बेदर्दी के साथ विजय की हत्या धारदार हथियार और गमछा से हाथ बांधकर और तार से गला दबाने के बाद फरसा से वारकर किया गया था। बताया गया कि बीते गुरुवार को शव मिलने के बाद एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद और जमई के झाझा एसडीपीओ राजेश कुमार के साथ कई थाना की पुलिस सक्रिय हुई। टेक्निकल बिंदुओं पर जांच शुरू हुई और टेक्निकल बिंदुओं का सहारा लेकर हत्याकांड के आरोपितो तक पुलिस पहुंच पाई।



### फर्जी तरीके से निकाल लिया मनरेगा का पैसा

LATEHAR : उपायक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम हुआ। इसमें जिले भर से आए लोगों ने अपनी समस्या सुनाई। इसी क्रम में बरवाहीह प्रखंड के चुंगरू पंचायत स्थित ग्राम ओपाग के निवासियों ने जनमन आवास योजना में फर्जी तरीके से मनरेगा का पैसा निकासी किए जाने के संबंध में उपायुक्त को अवगत कराया गया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को अग्रसारित कर

जल्द से जल्द इस मामले को निष्पादित करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार अन्य लोगों ने भी अपनी समस्या रखी तथा लोगों से प्राप्त आवेदन के आलोक में उपायुक्त ने समस्या निदान के लिए त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। जन शिकायत निवारण में मख्य रूप से भूमि विवाद, भूमि अतिक्रमण मुक्त कराने संबंधी, समितियों के मछली पालन करने को लेकर चल रहे विवाद, केसीसी लोन माफी की गडबडी से संबंधित आवेदन आए।

### सेमिनार में बोलीं उपायुक्त- हजारीबाग का इतिहास, सभ्यता और संस्कृति से जुड़ी सभी जानकारियां आम लोगों तक भी पहुंचाएं

### हजारीबाग की विरासत' पर वक्ताओं ने साझा की कई बातें

जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा शक्रवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद इनडोर स्टेडियम, हजारीबाग में हजारीबाग की विरासत थीम पर आधारित सेमिनार कराया गया। इसमें हजारीबाग के सभी पत्रकार एवं प्रबुद्धजन शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त नैन्सी सहाय शामिल हुईं। सेमिनार का उद्घाटन उपायुक्त के अलावा आनंद, डॉ. शत्रुघ्न पांडे, शुभाशीष दास व बुलू इमाम ने दीप प्रज्वलित कर किया। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि आज

के इस हजारीबाग लीगेसी पर

आधारित कार्यक्रम के माध्यम से

हजारीबाग की पुरानी एतिहासिक

विरासत को करीब से समझने का

अवसर मिला है। हजारीबाग की

विरासत और संस्कृति के अनछुए

पहलुओं को हमारे बीच उपस्थित



सेमिनार को संबोधित करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

वक्ताओं द्वारा सुनने और समझने का भी अवसर मिला है। पत्रकार साथियों से भी यह अपेक्षा है कि आज के इस कार्यक्रम के माध्यम से जितनी भी जानकारियां हजारीबाग की सभ्यता और संस्कृति से जुड़ी साझा की जाएंगी, उन्हें प्रमुखता से आम अवाम को सुलभ हो सकें, इसके

प्रयास जरूर करें। जिला प्रशासन

भी हमेशा इस प्रकार के आयोजन

कर वृहद जानकारी सकारात्मक पहल को लेकर प्रयासरत रहेगा। उपनिदेशक, जनसंपर्क आनंद ने सेमिनार का विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि हजारीबाग में मानव सभ्यता के प्रारंभ से लेकर आधुनिक काल तक के मानक संदर्भ इस प्रकार से सुलभ हैं, जिससे सभ्यता के विकास की व्याख्या हो सकती है। गुफा चित्र के अंकन की

• फोटोन न्यूज

### भगवान बुद्ध के भी यहां पड़े चरण

पद्मश्री बुलू इमाम ने हजारीबाग क्षेत्र के विभिन्न परातात्विक स्थलों यथा दैहर. बहोरनपुर, इचाक, इटखोरी से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हजारीबाग का इलाका बौद्ध धर्म का प्रसिद्ध केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के चरण भी यहां पड़े हैं। जैन धर्म का इतिहास भी इस क्षेत्र में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रागैतिहासिक काल से होकर बाद के समय में मानव सभ्यता के विकास के चिह्न भी इस धरती पर मौजूद हैं। अंतः उन्होंने इन धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल दिया।

### मेगालिथ की धरोहर भी विद्यमान

मेगालिथ पर अपने किए गए विभिन्न शोधों का हवाला देते हुए शुभाषीश दास ने कहा कि पुरी दुनिया में मेगालिथों को लेकर लोग अत्यंत संवेदनशील हैं। कई देशों में वहां के मेगालिथ साइटों को विशेष धरोहर की सूची में शामिल किया जा चुका है। परंतु भारत में खास करके झारखंड में मेगालिथों को लेकर स्थानीय स्तर पर लोगों को जानकारी नहीं है। जिसका नतीजा है कि झारखंड के दुर्लभ मेगालिथ साइटों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में प्रयास नगण्य हैं। उन्होंने सबों से अपनी धरोहर के संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की।

बारीकियां स्थानीय कोहबर एवं सोहराय चित्रकला में उपलब्ध हैं, जो सभ्यता के विकास की निरंतरता को दशार्ती हैं। सभा में अतिथियों के वक्तव्यों के बाद ओपन सेशन आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारों ने अपने

विचार साझा किए। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जिला जनसंपर्क अधिकारी रोहित कुमार ने कहा कि आज के इस सेमिनार में प्रस्तुत वक्ताओं के अभिभाषण को पुस्तिका के रूप में प्रकाशित

### नेताजी को यहीं नजरबंद करने की थी योजना स्थानीय संत कोलंबस कॉलेज के

प्राध्यापक डॉ. शत्रुघ्न कुमार पांडे ने स्वतंत्रता आंदोलन में हजारीबाग के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस को भी हजारीबाग जेल में नजर बंद किए जाने की योजना थी। उन्होंने संबंधित अभिलेखों का संदर्भ देते हुए कहा कि तत्कालीन ब्रिटिश सरकार को यह भय था कि नेताजी को हजारीबाग जेल में नजरबंद किए जाने के बाद भयानक विद्रोह हो सकता है और हजारीबाग जेल में उस समय बंद क्रांतिकारियों को लोग छुड़ा लेंगे, जिसके कारण यह योजना स्थिगित करनी पडी। उन्होंने अपने वक्तव्य में हजारीबाग जेल में बंद किए गए देश के विभिन्न प्रांतों के क्रांतिकारी के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक विवरण में हजारीबाग को निर्वासित भूमि एवं जंगल-काला पानी की संज्ञा दी गई है। यहां बर्मा, थाईलैंड, सिंगापुर, पंजाब, राजस्थान, मणिपुर, मेघालयं सहित कई राज्यों के कैदियों को बंदी बनाकर रखा गया था।

Saturday, 01 February 2025

### **O** BRIEF NEWS

जबरिया रिटायर किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे होम गार्ड के जवान

RANCHI : धनबाद, पलाम् और चतरा समेत अन्य जिलों के होम गार्ड जवानों को जबरिया रिटायर किए जाने के विरुद्ध हाईकोर्ट की शरण ली गई है। पिछले दिनों समय से पहले रिटायर किये गए होम गार्ड जवान राम लखन प्रसाद दास व अन्य ने हाईकोर्ट में जनहित यचिका दायर कर विभाग द्वारा जारी आदेश को रद्द करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि होम गार्ड के कई जवानों को 60 वर्ष की निर्धारित उम्र सीमा समाप्त होने से पहले ही होमगार्ड विभाग के द्वारा सेवानिवृत्ति कर दिया गया है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन और प्रार्थी राम लखन प्रसाद दास ने अधिवक्ता कुमार हर्ष के माध्यम से जनहित याचिका दायर की है। अभी यह जनहित याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं

### सद्दाम को ईडी कोर्ट ने बेल देने से किया इनकार

RANCHI: लैंड स्कैम के आरोपी सद्दाम को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया है। उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की थी। जिस पर सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सेना के कब्जे वाली भूमिँ और रांची के चेशायर होम रोड स्थित भूमि की फर्जी कागजात के सहारे भूमि की खरीद-बिक्री करने से जुड़े इस केस में रांची के पूर्व ईडी छवि रंजन, शहर के चर्चित व्यवसायी विष्णु अग्रवाल, पावर ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश और राजेश राय समेत कई लोग आरोपी हैं। इस केस के अन्य अभियुक्तों की जमानत याचिका निचली अदालत से खारिज की जा चुकी है। जिसके बाद कई अभियुक्तों ने हाईकोर्ट में जमानत की गुहार लगाई है।

### तीन फरवरी को

बसंत पंचमी की छुट्टी तीन फरवरी को घोषित की है। इससे पहले राज्य सरकार ने 14 अक्तूबर 2024 के आदेश के तहत दो फरवरी को बसंत पंचमी की छुट्टी घोषित की थी। दो फरवरी को रविवार है। अब सोमवार यानि तीन फरवरी को कार्यपालक है। कार्मिक ने शुक्रवार को इसका

### सीएम से मिले रिटायर्ड आईपीएस आरके मल्लिक

### बयान की निंदा

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बिहार के की है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि देश की राष्ट्रपति और हमारे संथाल आदिवासी समाज की गौरव, द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ स्टाम्प जैसे बेहद आपत्तिजनक शब्दों का जाए. वह कम है। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव से गलबहियां करने वाले और बदजुबान मित्र से आदिवासी समाज की सम्मानित महिला का अपमान करने पर

### केंद्र सरकार के निर्देश पर आयोजित सेमिनार में शामिल हुए परिवहन मंत्री

# ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराएं पदाधिकारी : दीपक बिरूआ

### सड़क सुरक्षा एक सामृहिक जिम्मेदारी

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

शुक्रवार को रांची के होटल रेडिसन ब्लू में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सेमिनार का उद्घाटन झारखंड सरकार के परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने किया। यह सेमिनार 'परवाह : जिम्मेदारी साझा करें, दुर्घटना की संभावना कम करें' थीम पर आधारित था। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय. भारत सरकार के निदेशों पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2025 के समापन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। दीपक बिरुवा ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामृहिक जिम्मेदारी है। यह सेमिनार जागरूकता बढाने. नीतियों को मजबत करने और सड़क उपयोगकताओं के लिए संरचना में सधार लाने की दिशा में

### नागरिक जागरूकता के माध्यम से सड़क हादसों से मौत में लाई जा सकती है कमी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए संरचना में सुधार लाने की दिशा में काम करने पर जोर

### विभिन्न मुह्यें पर विचारों का आदान-प्रदान

विशेषज्ञों ने सेमिनार में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार रखे। जिनमें यातायात नियमों और कानूनों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता, सड़क संरचना को सुरक्षित बनाने के उपाय और सड़क सुरक्षा प्रबंधन में तकनीकी नवाचारों का उपयोग प्रमुख थे। समीक्षकों ने यह भी सुझाव दिया कि सरकारी संगठनों, नागरिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढाना आवश्यक है ताकि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। साथ ही बताया गया कि सेमिनार में प्रस्तुत सभी सुझावों को सरकार को भेजा जाएगा, ताकि इन्हें आगामी नीतियों में शामिल किया जा सके।

एक महत्वपूर्ण कदम है। सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में

### सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नही

प्रदीप कुमार, संयुक्त परिवहन आयुक्त ने कहाँ कि परवाह, जिसका अर्थ केयर है। इस शब्द में गहरा संदेश छिपा हुआ है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी नागरिकों को एकजुट होकर इसे लागु करना होगा।

इस दौरान लोगों ने संकल्प लिया कि वे सतर्क रहेंगे और सुरक्षित सडक का उपयोग करेंगे। सेमिनार के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता और जिम्मेदारी का होना बहुत

और ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन के माध्यम से सड़क

### देश में हर साल ८० हजार लोग गंवा रहे जान

भारत में हर साल करीब 80,000 लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा बैठते हैं, जो पूरे विश्वभर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं के 13 प्रतिशत के बराबर है। अधिकतर दुर्घटनाएं लापरवाही और सडक चलने वालों में जागरूकता की कमी के कारण होती हैं। यही कारण है कि सड़क सुरक्षा शिक्षा को एक बुनियादी कौशल के रूप में अत्यधिक जरूरी माना जाता है। बता दें कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की शुरूआत नव वर्ष के पहले दिन 1 जनवरी 2025 को हुई थी। इस दौरान पूरे महीने भर विभिन्न कार्यक्रमों, जागरूकता अभियान और संवाद के माध्यम से समाज को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। यह प्रयास

दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती

मारपीट में दुर्गेश का फटा सिर, हाथ भी टूटा

### पार्किंग को लेकर विवाद, एक युवक को जमकर पीटा, जख्मी

शुक्रवार को राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना इलाके में पार्किंग को लेकर शुरू हुए एक मामूली विवाद में हिंसक झड़प का रूप ले लिया। पार्किंग के विवाद में कुछ लोगों के द्वारा एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। मारपीट में युवक का सिर फट गया व हाथ भी टूट गया। पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हो गई है। इसे लेकर सुखदेव नगर थाना में एफआईआर दर्ज करने के लिए घायल युवक ने आवेदन दिया है। दुर्गेश ने 10 हजार रुपये और 80 हजार के सोने के चेन लुटने का भी आरोप लगाया है। बताया है कि वह सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के गौशाला चौक के पास रहने वाला है। वह अपने फोर व्हीलर वाहन को बीते बुधवार को अपने घर के आगे पार्क करके सोने चला गया। जब वह सबह में अपनी कार को लेने के लिए मौके पर पहुंचा तो वहां पहले से बगल की दुकान वाले मुन्ना अग्रवाल खड़े थे। मुन्ना अग्रवाल ने अपने कुछ और दोस्तों

को बुला लिया और गाली गलौज

पिछले साल ६ सितंबर को झारखंड हाईकोर्ट ने रिजेक्ट कर दी थी जमानत

नक्सली कनेक्शन के आरोपी को सुप्रीम कोर्ट ने



- 🛮 फोर व्हीलर पार्क करने को लेकर घमासान, थाना में दिया गया आवेदन
- पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद

यह कहकर करने लगे कि उसने कार उसके दुकान के बाहर कैसे पार्क किया। सबने दुर्गेश के साथ मारपीट शुरू कर दी। दुर्गेश वहां से भागकर बगल की दकान में गया तो वहां भी मुन्ना अग्रवाल अपने साथियों के साथ पहुंच गए और बाइक की हेलमेट से दुर्गेश और उसके एक दोस्त को काफी पीटा।

### बसंत पंचमी की छुट्टी अब

RANCHI: राज्य सरकार ने अब आदेश के तहत छुट्टी घोषित किया गया आदेश जारी कर दिया।

RANCHI: शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रिटायर्ड आईपीएस आरके मल्लिक ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरके मल्लिक को उनके उज्जवल भविष्य एवं मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं दी।

### सांसद पप्पू यादव के

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के बयान की निंदा कांग्रेस समर्थित सांसद पप्पू यादव ने रबर इस्तेमाल किया है। इसकी जितनी निंदा की झारखंड में उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा देने की तैयारी कर रहे हेमंत सोरेन क्या अपने माफी मंगवाएंगे। या फिर अपनी भाभी सीता सोरेन के अपमान को नजरअंदाज करने की तरह इस बार भी चुप्पी साध लेंगे।

### एसआई व मुंशी को लगाना पड़ रहा विभागीय चक्कर सस्पंडेड कोतवाली इंस्पेक्टर हो गए आरोप मुक्त, उठ रहे सवाल

**CRIME REPORTER RANCHI:** दिसंबर 2024 में राजधानी के अपर बाजार स्थित कन्या विद्यालय की

छात्राओं के छेड़खानी का मामला सामने आया था। इसे लेकर आवेदन कोतवाली थाना में दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी उन मनचलों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। छेड़खानी का वीडियो वायरल होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। इस मामले में लापरवाही उजागर होने पर कोतवाली थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिस कर्मियों को तत्काल निलंबित कर दिया गया था। मात्र चार दिनों के बाद कोतवाली इंस्पेक्टर इस आरोप से मुक्त हो गए, जबिक एएसआई और मुंशी का विभागीय चक्कर अभी खत्म नहीं हुआ है। उसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। बता दें कि 13 दिसंबर 2024 को

राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र



 कन्या विद्यालय की छात्राओं से छेडखानी मामले में सीएम ने लिया था संज्ञान

स्थित स्कूल की छात्राओं के साथ एक मनचले ने छेड़खानी की थी। मामला जब तुल पकड़ा तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया। आनन-फानन में आईजी अखिलेश झा ने कार्रवाई करते हुए कोतवाली के एक मुंशी और एसआई को सस्पेंड कर दिया, जबकि तत्कालीन कोतवाली थानेदार रंजीत कुमार सिन्हा को शो कॉज किया था।

वर्तमान में पुलिस हाउसिंग में एमडी के पद पर थे पदस्थापित

रिटायर हुए झारखंड के पूर्व डीजीपी

अजय कुमार सिंह, दी गई विदाई

### आदिवासी समाज के खिलाफ दर्ज मुकदमे की

जागरूकता बढ़ाना, सड़क

संरचनाओं को सरक्षित बनाना

RANCHI: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने गिरिडीह जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में आदिवासी समाज के खिलाफ दर्ज एक मुकदमे की निष्पक्ष जांच की मांग की हैं। इस पत्र के माध्यम से बाबुलाल मरांडी ने पारसनाथ शिखर क्षेत्र में स्थित आदिवासी समाज के पारंपरिक पूजा स्थल मरांगबुरू जुग-जाहेरथान की सुरक्षा की भी अपील की है। उन्होंने उल्लेख किया है कि पारसनाथ पहाड़ पर आदिवासी समाज की पूजा, सोहराय एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान सिदयों से आयोजित होते आ रहे हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पारसनाथ शिखर क्षेत्र में आदिवासी समाज और जैन समाज के बीच पिछले कुछ सालों से पूजा स्थल और अन्य सांस्कृतिक मुद्दों को लेकर विवाद बढ़ रहा है। इससे इलाके में तनाव पैदा हो गया है। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और

## हो निष्पक्ष जांच : मरांडी

आदिवासी समुदाय के निर्दोष लोगों को फंसाने की कोशिश को रोका जाए।

### नहीं दी बेल, कहा- हम हस्तक्षेप नहीं करना चाहते

**PHOTON NEWS RANCHI:** नक्सली कनेक्शन केआरोपी रामगढ़ के पत्रकार रूपेश कुमार सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने बल देने से मना कर दिया। पुलिस ने उन्हें 17 जुलाई 2022 को यूएपीए का आरोपी मानते हुए अरेस्ट किया था। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी से साठ-गांठ रखने का उनपर आरोप है। बता दें पिछले साल 6 सितंबर को झारखंड हाई कोर्ट ने रूपेश कुमार सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर जमानत की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए याचिका को अस्वीकार कर दिया है कि वह झारखंड हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती।

### राष्ट्रीय जतरा महोत्सव में खोड़हा टीमों ने लिया हिस्सा

RANCHI: शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान में दो दिवसीय राष्ट्रीय जतरा महोत्सव शुरू हुआ। मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने विधिवत तरीके से पुजा किया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन अमित मुंडा ने किया। अध्यक्षता नरेश पाहन ने किया। इस दौरान गोस्नर कॉलेज की खोड़हा टीम सबसे पहले जतरा महोत्सव में पहुंची। फिर आदिवासी 22 पड़हा खोड़हा मंडली ओरमांझी से पहुंचा। ये अपने साथ सरना मां की झांकी शामिल किए। इसमें सरना मां को पकडे हुए दो लोग खोडहा मैदान में प्रवेश किए। इसके पीछे आदिवासी समाज पांरपरिक वाद्ययंत्र बजाते हुए नाचते गाते गीत गाये जा रहे थे। उत्तराखंड की स्पोर्टस की छात्राए भी जतरा महोत्सव मे शिरकत की। इन्होंने अपने राज्य की लोकनृत्य को प्रस्तुत की। इस दौरान नरेश पाहन ने कहा कि राष्ट्रीय जतरा महोत्सव झारखंड का पहला जतरा महोत्सव है।

# पुलिस ने सक्रिय सदस्य

पत्रकार रूपेश कुमार सिंह के अधिवक्ता ने अदालत को बताया है कि वह स्वतंत्र पत्रकार हैं और विस्थापन, पुलिस मुठभेड़ों को लेकर खबरें करते रहे हैं। इसी वजह से उनके खिलाफ साजिश कर उन्हें नक्सली संगठन के साथ साठ-गांठ रखने का आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का आरोप है कि रूपेश कुमार सिंह नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का सक्रिय सदस्य था। गौरतलब है कि रूपेश कुमार सिंह ने वर्ष 2021 में केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उनका आरोप था कि उसके मोबाइल में विवादस्पद पेगासस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करके उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

### रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में राजा पीटर की अर्जी पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

झारखण्ड उच्च न्यायालय



पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में दो सरकारी गवाह का क्रॉस एग्जामिन के लिए अनुमित मांगे जाने वाली पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर की अर्जी पर झारखंड हाईकोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में सुनवाई जारी है। अगली सुनवाई २७ मार्च को होगी। मामले के आरोपी राजा पीटर ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर एनआईए की ओर से बनाए गए दो सरकारी गवाह (पीडब्ल्यू एक एवं पीडब्ल्यू ३ )का क्रॉस एग्जामिन करने का आग्रह किया है। एनआईएँ की विशेष अदालत ने राजा पीटर के दो सरकारी गवाहों का क्रॉस एग्जामिनेशन करने से संबंधित सीआरपीसी की धारा 306 सब क्लाज ४ के तहत दिए गए आवेदन को खारिज कर दिया था, इसके बाद उनकी ओर से हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है। एनआईए की ओर से अधिवक्ता एके दास एवं अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पैरवी की।

### ट्रेड लाइसेंस और होल्डिंग से संबंधित दस्तावेजों की हुई जांच

### नगर निगम ने रोश्पा टावर में चलाया अभियान, ८ प्रतिष्ठानों को दिया नोटिस

**PHOTON NEWS RANCHI:** शुक्रवार को रांची नगर निगम ने सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को रोश्पा टावर और आस-पास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान दुकानों में ट्रेड लाइसेंस और होल्डिंग से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई। इस दौरान प्रतिष्ठानों को शिविर से संबंधित सचना भी दी गई। शिविर के बाद 8 प्रतिष्ठानों ने लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं दिया। इसके बाद निगम ने उन सभी प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी



किया। इससे पहले रांची नगर निगम की ओर से वार्ड नंबर 15 के मेन रोड स्थित रोश्पा टावर में होल्डिंग टैक्स और म्यनिसिपल ट्रेड लाइसेंस को लेकर शिविर लगाया। इस दौरान नए आवेदन और भुगतान भी लिया गया। इस शिविर में ट्रेड लाइसेंस से संबंधित कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए, जबिक कई लोग होल्डिंग टैक्स से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के

### होगी कार्रवाई, साहिबगंज डीसी ने की थी अनुशंसा

### कोरोना काल में नियम विरुद्ध दिया दवाओं की आपूर्ति का ऑर्डर

### **PHOTON NEWS RANCHI:** कोविड (कोरोना वायरस) के

दौरान बिना सक्षम प्राधिकार से सहमति प्राप्ति के दवा एजेंसियों को आपूर्ति का आदेश देने के आरोप में साहेबगंज के तत्कालीन कार्यपालक दंडाधिकारी सह जिला नजारत उप समाहर्ता जय कुमार राम पर कार्रवाई होगी। इस वजह से सरकार की बड़ी राशि अपव्यय होने की भी सूचना है। 18 अप्रैल 2020 को विकास आयुक्त की अध्यक्षता में क्रय समिति की बैठक में लिए गये निर्णय के विरुद्ध आर्डर देने का आरोप इन पर लगा है। बता दें कि, कोरोना काल में गृह मंत्रालय भारत सरकार की ओर से दिशा-निर्देश दिया जा रहा था, लेकिन झारखंड

### प्रशासनिक अधिकारी ने निदेशों का पालन नहीं किया। पूरे मामले पर उपायुक्त साहेबगंज ने 2023 में ही आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी, सरकार ने इसकी जांच कराई जिसमें प्रथमदृष्टया

आरोप प्रमाणित पाया गया। सरकार ने रिटायर आइएएस अधिकारी कमल जॉन लकड़ा को जांच संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया है। उक्त अधिकारी 15 दिनों में अपना लिखित बचाव बयान देने को कहा गया है।

### 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी एमएस भाटिया आईपीएस में प्रोन्नति देने की तैयारी शुरू हो गई है। लापरवाही रांची के 2.30 लाख कंज्यूमर्स को नहीं मिला बिल

31 जनवरी यानी शक्रवार को झारखंड के पर्व डीजीपी

अजय कुमार सिंह और डीजी आरके मल्लिक रिटायर

हो गए। डोरंडा स्थित जैप 1 परिसर में झारखंड पुलिस

मुख्यालय मैं कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें विदाई दी

गई। गरुवार को ही डीजी आरके मल्लिक को विदाई दी

गई थी। अजय कुमार वर्तमान में झारखंड पुलिस

हाउसिंग में एमडी के पद पर पदस्थापित थे। आरके

मिलक डीजी मख्यालय के पद पर पदस्थापित थे।

गौरतलब है कि झारखंड पुलिस में अब डीजी रैंक के

अफसरों की संख्या चार है। इनमें अनुराग गुप्ता, अनिल

पालटा, प्रशांत सिंह और एम एस भाटिया शामिल हैं।

दूसरी तरफ झारखंड कैडर के आईपीएस एमएस

भाटिया गुरुवार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट आए हैं।

### समय पर बिजली बिल नहीं आने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

बिजली बोर्ड की लापरवाही के कारण रांची सहित पूरे झारखंड के उपभोक्ता परेशान हैं। जानकारी के अनुसार, रांची जिला के 2 लाख ३० हजार उपभोक्ताओं को बिजली बिल नहीं मिला है। पूरे राज्य स्तर पर देखें तो यह संख्या 12 लाख 59 हजार 772 जाती है। इसमें रांची के उपभोक्ता भी शामिल हैं। बिजली बिल नहीं मिलने की वजह से बोर्ड को बिल का भुगतान नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ताओं को समझ में नहीं आ रहा है, कहां जाएं। कई माह का एक बार बिल आएगा, तो वह एक साथ बड़ी राशि कहां से

पाया है। मतलब सिर्फ आधे उपभोक्ताओं को

ही बिजली बिल मिल सका है।

कैसे दे पाएंगे। बिजली बोर्ड क 15 सर्किल में 🗕 बिजली बोर्ड के 15 उपभोक्ताओं की संख्या ५० लाख २६ हजार 768 है। 30 जनवरी 2025 को इसमें से 37 लाख ६६ हजार ९९६ उपभेक्ताओं की बिलिंग की गई है। रांची में कुल 4 लाख 99 हजार 26 हजार 768 412 उपभोक्ता हैं। इनमें दो लाख 68 हजार 781 उपभोक्ताओं को ही बिजली बिल मिल

### सर्किल में उपभोक्ताओं की संख्या है 50 लाख

🛮 रांची में कुल ४ लाख 99 हजार 412 उपभोक्ता

### साहिबगंज और देवघर में भी कम बिलिंग BIHE जानकारी के अनुसार, संथाल परगना के

साहेबगंज और देवघर सर्किल में भी कम बिलिंग हुई है। देवघर में देवघर में चार लाख 56 हजार 860 उपभोक्ता हैं। 1 लाख 13 हजार 705 उपभोक्ताओं को बिजली बिल नहीं मिला है। साहेबगंज में 3 लाख 22 हजार 400 उपभोक्ताओं में से 76 हजार 307 उपभोक्ताओं की बिलिंग नहीं हुई है।

केंद्रीय प्रतिनियक्ति पर थे और सीआरपीएफ में आईजी

एडिमन थे। इससे पहले एमएस भाटिया को डीजी रैंक

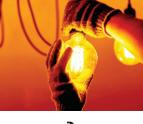
में प्रोफार्मा प्रोन्नित मिल चुकी है। झारखंड पुलिस में

अभी आईपीएस अधिकारियों की संख्या 145 हो गई है।

इनमें से 2022 और 2021 बैच के कई आईपीएस

टेनिंग में हैं। झारखंड पलिस सेवा के 17 डीएसपी को

कई माह का बिल एक साथ आने पर भुगतान करने में होती है दिक्कत



### धनबाद में दो लाख ८१ हजार ८६५ उपभोक्ता

धनबाद और चास सर्किल में भी बिलिंग की स्थिति खराब है। धनबाद में दो लाख ८१ हजार ८६५ उपभोक्ता हैं। इनमें 1 लाख 23 हजार 428 उपभोक्ताओं को ही बिजली बिल दिया गया है। 1 लाख 58 हजार 437

उपभोक्ताओं को बिजली बिल नहीं मिल पाया है। चास सर्किल में कुल 3 लाख 4 हजार 289 उपभोक्ता हैं। इनमें से 92 हजार 582 उपभोक्ताओं को बिजली बिल नहीं मिला है। बिजली उपभोक्ता परेशान हैं, बिल नहीं आ रहा। वे

बिजली विभाग के कार्यालय में पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोग लगातार इसकी शिकायत कर रहे हैं, लेकिन विभाग की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

### रांची में सरस्वती पूजा की धूम, भव्य पंडालों का निर्माण जारी

RANCHI: राजधानी रांची में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनियों में आकर्षक पंडाल बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में हटिया रेलवे कॉलोनी बी टाइप में लक्ष्मी नारायण समिति द्वारा लगातार नौ वर्षों से भव्य आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष जितेन कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष पूजा स्थल पर एक विशेष पंडाल का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी लबाई आठ फीट और चौड़ाई 10 फीट होगी। इस पंडाल को बनाने में 50 हजार रुपए खर्च हो रहे हैं। पंडाल में अजंता आर्ट से सुसज्जित 12 फीट ऊंची और 6 फीट चौड़ी स्वर्णिम मूर्ति के रूप में मां सरस्वती विराजमान होंगी, जिसकी कीमत २० हजार रुपये है। यह भव्य आयोजन ३ फरवरी से ५ फरवरी तक चलेगा। वहीं, दूसरी ओर छात्र जागृति संगम, लेक रोड द्वारा 65 वर्षों से सरस्वती पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

### समाचार सार

### बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र सम्मानित

JAMSHEDPUR: बिष्टुपुर स्थित सेंट मेरीज इंग्लिश हाई स्कुल के



ऑडिटोरियम में शुक्रवार को ग्रेज्एशन सेरेमनी हुई, जिसमें 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्वी सिंहभूम के

गए, जहां पुजारी निरंजन मिश्रा ने पूजा-अर्चना कराई।

इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि

दिनेश साव, यूनियन अध्यक्ष

बीएन सिंहदेव, महासचिव

उपायुक्त अनन्य मित्तल थे। उन्होंने विद्यार्थियों को मेडल तथा प्रमाण पत्र

### मऊभंडार से 50 श्रद्धालु खाना हुए प्रयागराज

GHATSILA: महाकुंभ में संगम स्नान के लिए शुक्रवार को मऊभंडार से 50 से ज्यादा श्रद्धालु महिला-पुरुष व बच्चे प्रयागराज रवाना हए। मऊभंडार के शिव मंदिर



ओमप्रकाश सिंह, नरेंद्र कुमार राय, संजय कुमार व ललन पांडेय ने श्र्भकामना देते हुए बस को रवाना किया।

आदिवासी ग्रीन स्पोटिंग क्लब का वार्षिक मिलन



प्रीमियर लीग में विजेता रहा था। अन्य एकदिवसीय खेल प्रतियोगिता में 45 खिताब जीते हैं। समारोह में सनातन दुडू, सोनाराम दुडू, राखाल सोरेन, पप्पू सोरेन, ताला मुर्मू, राजेश सोरेन, सूरज टुडू, सुशील हांसदा,

दीपक धोरा, दीपक रंजीत, चमन सिंह, सोनू सिंह व बादल धोरा भी थे।

### बागबेडा में कचरा प्रबंधन पर हुआ मंथन

JAMSHEDPUR: प्रखंड कार्यालय में शक्रवार को प्रखंड विकास



पदाधिकारी ने बागबेड़ा क्षेत्र अंतर्गत कचरा प्रबंधन से संबंधित बैठक पंचायत प्रतिनिधियों के संग की। इसमें जिला पार्षद डॉ. कविता परमार, प्रमुख पानी मुर्मू, उप प्रमुख, ग्राम प्रधान

मुखिया राजकुमार गौड़, उमा मुंडा, नीन कुदादा आदि भी

### राजद का सदस्यता अभियान शुरू

JAMSHEDPUR: राष्ट्रीय जनता दल (राजद), पूर्वी सिंहभूम जिला कमेटी ने शुक्रवार को सदस्यता अभियान 2025-28 शुरू किया। एग्रिको स्थित जिला कार्यालय में हुए कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष

सुबोध कुमार राय उर्फ सुभाष यादव, अभियान के प्रमुख प्रभारी जनार्दन कुमार व बिरेंद्र सिंह यादव भी उपस्थित थे। पहले

दिन कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली।

### मैथिल बरुओं का उपनयन 3 फरवरी से



JAMSHEDPUR : मैथिल उत्कर्ष संस्थान की ओर से मैथिल बरुओं का सामृहिक उपनयन संस्कार 3-10 फरवरी तक होगा। इसके लिए सिदगोड़ा के क्रॉस रोड 14-15 स्थित गणेश पजा

मैदान में तैयारी शुरू हो गई है।

### नाबालिंग से छेडखानी के आरोपी को 4 साल की सजा



CHAIBASA: नाबालिंग के साथ छेडखानी करने के आरोपी अरशद खान को द्वितीय अपर जिला सत्र न्यायाधीश की अदालत ने पोक्सो एक्ट के तहत 4 साल कारावास की सजा सुनाई है। उस पर 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है।

### वार्षिक खेलकुद में मून फैमिली विजेता



JAMSHEDPUR : एसडीएसएम स्कल की 27वीं वार्षिक खेलकद प्रतियोगिता शक्रवार को टैल्को स्थित समंत मलगावकर स्टेडियम में हुई, जिसमें मृन फैमिली ग्रुप विजेता घोषित किया गया। इससे पहले

# सोलर जलमीनार गिरने से दो महिलाएं हो गईं घायल

बड़ी घटना टली, नगर परिषद में सूचना देने के बाद भी नहीं हुई मरम्मत

शहर में नगर परिषद कार्यालय के पीछे स्थित हरिजनबस्ती में लगी 1000 लीटर क्षमता वाली सोलर जलमीनार शुक्रवार सुबह गिर गई। जलमीनार गिरने से पानी भरने आई एक महिला और एक परुष घायल हो गए। दोनों का प्राथमिक उपचार चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में किया गया है। दोनों खतरे से बाहर हैं। जानकारी के अनुसार, नगर परिषद कार्यालय के पीछे हरिजन बस्ती में करीब 8 वर्ष पूर्व में नगर परिषद की ओर से सोलर जलमीनार लगाई गई थी। लेकिन, मेंटेनेंस के अभाव से जलमीनार में लगे सभी एंगल में जंक लग गई थी। इसकी शिकायत नगर परिषद को बार-बार करने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई, जिस कारण शक्रवार की सबह अचानक जलमीनार गिर गई। जलमीनार गिरने से रुक्मिणी मुखी व बजरंग

छात्राओं को संबोधित करती छात्रा

JAMSHEDPUR : साकची स्थित

ग्रेजुएट कॉलेज के हिंदी विभाग में

विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास

जागृत किया गया है। हिंदी विभाग

के अध्यक्ष राकेश पांडेय ने बताया

कि पहले छात्राएं कुछ पूछने पर

जानते हुए भी बता नहीं पाती थीं,

उन्हें बोलने में डर लगता था

आवाज लड़खड़ा जाती थी। इस

बात को ध्यान में रखकर पहले

देखकर सामने खडा होकर पढने

को कहा गया। इसमें आशातीत

सफलता मिली। फिर छात्राओं से

सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म

प्रयोगशाला, जमशेदपुर द्वारा

संसाधनों के सतत उपयोग के लिए

कोयला एवं खनिज लक्षण वर्णन

में नवाचार (आईसीएमसीएस-

2025) पर आयोजित राष्ट्रीय

सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हो

गया। कोलकाता के न्यू टाउन

स्थित फेयरफील्ड बाय मैरियट में

हुए सम्मेलन में आईआईटी,

जीएसआई, विश्वविद्यालयों,

सीएसआईआर, बीएआरसी, टाटा

स्टील सहित पूरे भारत में 30

प्रतिष्ठित संस्थानों के लगभग 100

प्रतिनिधियों ने भाग लिया और

कोयला, अयस्कों और खनिजों के

सतत उपयोग पर अपने शोध

निष्कर्ष को प्रस्तत किया। मेक इन

इंडिया कार्यक्रम के भाग के रूप में

आयात प्रतिस्थापन के रूप में

में छात्राओं को किताब



ध्वस्त जलमीनार के पास जुटे लोग

मुखी को चोट लगी और दोनों घायल हो गईं। दोनों का इलाज चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में किया गया। जलमीनार में लगी सिंटेक्स पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जलमीनार गिरने से हरिजन बस्ती में निवास करने वाले करीब 50 परिवार के समक्ष पेयजल संकट उत्पन्न हो गई है। हरिजन बस्ती के

• फोटोन न्यूज

कहा गया कि जो टॉपिक ठीक से

जानती हो, उसको सामने आकर

बाकी छात्राओं को पढ़ाएं। इसका

परिणाम अच्छा निकला और अब

छात्राएं आत्मविश्वास के साथ एक

एक टॉपिक पढ़ाने लगीं। छात्राओं

ने कहा सर इससे हमारे अंदर डर

खत्म हो गया है और अब हम कहीं

भी बोलने की स्थिति में हैं। ज्ञात हो

कि ग्रेजुएट कॉलेज के हिंदी विभाग

द्वारा प्रत्येक सप्ताह कक्षा परीक्षण

परीक्षा होती है, जिसमें सिलेबस का

जो भाग पढ़ा दिया जाता है, उसी से

भारत को 2047 तक विकसित

बनाने के लक्ष्य पर हुआ मंथन

सेमिनार में उपस्थित प्रतिमागी

(सीआरएम) तैयार करने पर भी

चर्चा की गई। इस सम्मेलन ने

वैज्ञानिकों, पीएचडी कर रहे

शोधार्थियों और उद्योग जगत के

प्रतिनिधियों और कार्मिकों को वर्ष

2047 तक विकसित भारत के

लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में

अपने विचारों का आदान-प्रदान

करने के लिए मंच प्रदान किया।

शोधकताओं

ग्रेजुएट कॉलेज की छात्राओं

में जगाया आत्मविश्वास

नगर परिषद कार्यालय में क्षतिग्रस्त जलमीनार की मरम्मत को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। इसका खामियाजा लोगों को उठाना पड़ रहा है। इधर वार्ड परिषद की निवर्तमान सदस्य लीला प्रसाद के पुत्र कुमार विवेक ने कहा कि वार्ड वासियों द्वारा जलमीनार क्षतिग्रस्त होने की शिकायत की गई थी।

### जलमीनार गिरने से हरिजन बस्ती में निवास करने वाले 50 से अधिक परिवार के समक्ष जल



मिनी शराब फैक्ट्री का

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के रोबोगा में अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। उत्पाद विभाग और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में नकली शराब बनाने का सामान बरामद किया है। इसमें एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जिला के उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त अरविंद कुजूर ने बताया कि छापेमारी के दौरान अवैध शराब, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले स्पिरिट, कांच और प्लास्टिक की खाली बोतलें, नकली शराब में डाले जाने वाले रंग सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं। इसमें 1200 लीटर तैयार नकली शराब, ८०० लीटर स्पिरिट, ५५ पेटी तैयार शराब, १००० स्टीकर और 5000 ढक्कन के अलावा 500 कांच की खाली बोतलें, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले 10 पीस कैरेमल और 2000 से अधिक



PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभम जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में मादक पदार्थों की खेती पर पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी। इसके लिए वन क्षेत्र, रैयत भूमि और अन्य जगहों पर मादक पदार्थी की फसलों को चिह्नित कर नष्ट किया जाएगा। इसके साथ ही मादक पदार्थों की खेती में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में आम जनता को जागरूक करने के लिए भी व्यापक अभियान चलाया प्लास्टिक की खाली बोतलें भी मिलीं जाएगा। जिला

### सोनारी के दो अपराधियों को किया गया गिरफ्तार

इसके बाद कार्यालय के कर्मचारी

कई बार जलमीनार की तस्वीर

लेकर मरम्मत करने का आश्वासन

दिया। लेकिन समय पर मरम्मत

नहीं हुई, जिसके कारण जलमीनार



JAMSHEDPUR: सोनारी पुलिस ने क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़े गए अपराधियों में सोनारी के न्यू रूप नगर निवासी ऋतिक कुमार और निर्मल नगर निवासी अजय गौड़ शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक देसी पिस्तौल, एक कारतूस और एक स्मार्टफोन बरामद किया है। अजय गौड़ का आपराधिक इतिहास पहले से ही काफी लंबा है। उसके खिलाफ सोनारी थाने में कुल 6 मामले दर्ज हैं। सिटी एसपी कमार शिवाशीष ने शक्रवार को एसएसपी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि गुरुवार देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्वाला बस्ती इलाके में दो संदिग्ध बदमाश हथियारों के साथ घूम रहे हैं। इस सचना के आधार पर पलिस तरंत संक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

872 को मिलेगी डिग्री

कि इस समारोह में स्नातकोत्तर सत्र

2022-2024 व स्नातक सत्र 2021-

प्रदान की जाएगी। गोल्ड मेडल चांदी

24 पास आउट छात्राओं को डिग्री

# सड़क दुर्घटना में बाइक

# सवार शिक्षाकर्मी की मौत

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभम जिले के मनोहरपर-जराइकेला मुख्य मार्ग स्थित लाइलोर के समीप सड़क दुर्घटना में मनोहरपुर निवासी उमेश महंती की मौत हो गई है। इसमें राजनगर निवासी 40 वर्षीय प्रदीप कुमार गंभीर रूप से घायल है। दोनों शिक्षा विभाग, मनोहरपुर में सीआरपी के पद पर काम करते थे। दोनों ड्यूटी पर डोमलोई स्कूल निरीक्षण कार्य के लिए जा रहे थे। इसी दौरान दुर्घटना हो गई, जिसके बाद उमेश महंती की मौके पर मौत हो गई। उनके शव को पहचानना भी मुश्किल हो गया था। दुर्घटना की खबर मनोहरपुर में आग की तरह फैल गई। इधर सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची और

जांच में जट गई। जानकारी के अनसार सीआरपी उमेश महंती व प्रदीप दोनों एक बाइक से मनोहरपुर से जराइकेला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लाइलोर के पास संकीर्ण मोड में सामने से तेज रफ़्तार में आ रही एलपी ट्रक ने बाइक को सीधी टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सहित ट्रक भी सड़क से 10 फीट नीचे खेत में गिरा। घटनास्थल के समीप स्थित विशाल किम्बो नामक व्यक्ति के घर में टक घस गया। टक की चपेट में आने से विशाल किम्बो के घर में रखी धान की फसल भी खराब हो गई है। घटना के बाद ग्रामीण दोनों को इलाज के लिए

# मनोहरपर सीएचसी लेकर पहुंचे। पश्चिमी सिंहभूम में मादक पदार्थी

# के खिलाफ अंभियान हुआ तेज

पदाधिकारियों को संबोधित करते उपायुक्त कुलदीप चौधरी

समाज कल्याण विभाग, स्कूल और जन वितरण प्रणाली के डीलरों के माध्यम से लोगों को इस समस्या के बारे में जागरूक किया जाएगा। जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और थाना प्रभारियों को मादक पदार्थों की अवैध खेती से संबंधित शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई के

अधिकारियों को 14 फरवरी तक मादक फसलों को नष्ट करने और इसकी रिपोर्ट जिला कार्यालय को देने के लिए कहा गया है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों, मानकी-मुंडा और जनप्रतिनिधियों से अपील की गई है कि वे अपने क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध खेती, उत्पादन, भंडारण और परिवहन जैसी गतिविधियों पर नजर रखें और प्रशासन को सूचित करें।

### 'रन फॉर रोड सेफ्टी' में दौड़े उपायुक्त रविशंकर शुक्ला



दौड़ लगाते उपायुक्त रविशंकर शुक्ला

• फोटोन न्यूज

SERAIKELA : सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम-2025 के तहत शुक्रवार को रन फॉर रोड सेफ्टी का आयोजन किया गया, जिसमें उपायक्त रविशंकर शक्ला, प्रभारी उपविकास आयक्त सह परियोजना निदेशक-आईटीडीए आशीष अग्रवाल व जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो भी दौडे। इसमें उत्कष्ट विद्यालय (नृपराज प्लस टू उच्च विद्यालय, सरायकेला) के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया।

दौड़ इनडोर स्टेडियम सरायकेला

क्षमता होगी। समारोह में शामिल होने

वाली छात्राएं सुबह ९ से १० बजे तक

कैंपस में प्रवेश कर सकेंगी। पंडाल में

व्यवस्था होगी। संवाददाता सम्मेलन में

विषय वार छात्राओं के बैठने की

विश्वविद्यालय की डीएसडब्ल्यू डॉ

किश्वर आरा, कुल सचिव प्रो राजेंद्र

जायसवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ राम

सुब्रह्मण्यम, डॉ सनातन दीप आदि

से प्रारंभ होकर थाना रोड, संजय चौक होते हुए भगवान बिरसा मुंडा स्टेडियम, सरायकेला में परी हुई। सभी पदाधिकारी, कर्मी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने दौड़ में सड़क सुरक्षा यातायात नियमों के पालन हेतु हेलमेट पहनें-जान बचाएं, सीट बेल्ट पहनें-परिवार बचाएं. सडक सरक्षा-जीवन रक्षा. वन मिस्टेक-गेम ओवर, स्पीड श्रिल्स-बट किल्स, गाड़ी चलाएं शौक से शोक से नहीं, ड्रंक

संदेश दिया। एलबीएसम के प्राचार्य डॉ. बीएन प्रसाद सेवानिवृत्त डॉ. अशोक झा को प्रभार

एंड ड्राइव जानलेवा है... आदि

JAMSHEDPUR : करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ . बीएन प्रसाद शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने डॉ. अशोक कुमार झा को प्रभार सौंप दिया। इससे पूर्व विद्यार्थियों ने ढोल-नगाड़े के साथ व शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों ने गीत, कविता, संस्मरण के साथ डॉ. पसाद को यादगार विदाई दी। इस अवसर पर डॉ . बीएन प्रसाद ने कहा कि सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी र्डमानदारी पर्वक महाविद्यालय के विकास में सहयोग करें और विद्यार्थी सही दिशा में आगे बढ़कर रोजगार पाकर देश और राज्य का विकास करें। डॉ . अशोक कुमार झा ने भी स्मृति चिह्न व शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनय कुमार गुप्ता ने किया।

### महिला विश्वविद्यालय में 500 बेड के छात्रावास का उद्घाटन भी करेंगे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार

## वीमेंस यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह ४ को, ३२ छात्राओं को गोल्ड मेडल

PHOTON NEWS JSR: महिला विश्वविद्यालय जमशेदपुर का दीक्षांत समारोह 4 फरवरी को होना है, जिसमें 32 छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, कॉलेज की छात्राओं को कई सौगात मिलने जा रही है। कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता ने बताया कि समारोह के दिन ही विवि के सिदगोड़ा परिसर में तैयार 500 बेट के छात्रावास का उद्घाटन राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार करेंगे। यह छात्रावास दो साल से बनकर तैयार है। उद्घाटन के साथ ही इसे छात्राओं को एलॉट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस छात्रावास का नाम फुलो-झानो छात्रावास होगा। इसके साथ ही दामोदर सीनेट हॉल का भी राज्यपाल उद्घाटन करेंगे। इस हॉल का यूज सीनेट सदस्यों की बैठक के

लिए किया जाएगा। मालूम हो कि विवि का छात्रावास एकेडमिक भवन के साथ ही बनकर तैयार हो गया था। लेकिन इसके लिए बेड समेत अन्य सामग्री की खरीद समय पर नहीं हो पाने की वजह से इसे एलॉट नहीं किया जा रहा था। अब सामग्री की खरीद हो गई है। इसके साथ ही विवि परिसर में 9 नए भवन बनाए जाएंगे। आर्किटेक्ट की टीम हाल ही में इसके लिए विवि में आयी थी। जिन्होंने विवि के अधिकारियों व शिक्षकों के परामर्श से भवनों का डिजाइन तैयार करने की बात कही है। इसका डीपीआर जल्द फाइनल हो जाएगा। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। इसमें कॉमन रूम के साथ ही शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए आवास, पुस्तकालय, अलग अलग विभाग के भवन, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स आदि भवन प्रमुख है।



पत्रकारों को संबोधित करतीं कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता अगले सत्र से विवि में

बीटेक की होगी पढ़ाई कुलपति ने बताया कि अगले सत्र से महिला विवि में बीटेक की पढ़ाई भी होगी। एकेडमिक काउंसिल से इसे अनुमोदन मिल चुका है। अब सिंडिकेट से इसे पास कराया जाएगा। ऐसे में विवि में इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही बी फार्मा की पढ़ाई शुरू करने की तैयारी भी विवि कर रहा है। इसके लिए विवि की ओर से सरकार से अनुमति मांगी गई है। वहीं विवि में 13 सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किए गए हैं।

## यह भी होगा

• लाइब्रेरी में ई बुक की मिलेगी सुविधा • छात्राएं डिजिटल मोड में भी डीसी लॉकर में उनकी डिग्रियां को अपलोड किया जाएगा

• विवि का सिदगोड़ा व बिष्टुपुर स्थित परिसर वाई-फाई से लैस होगा

डिग्रियां ले सकेंगी। इसके लिए

• विवि की प्रयोगशाला व पुस्तकालय को अपग्रेड किया जाएगा • विवि के सभी छात्राओं का एक साल में अपार आईडी

बनाया जाएगा।

सिदगोड़ा स्थित परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में राजयपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ८७७ छात्राओं को डिग्री प्रदान करेंगे। कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता ने पंत्रकारों को बताया कि कार्यक्रम दिन के 11 बजे से शुरू होगा, लेकिन इसमें इंट्री सुबह 9 से 10 बजे के बीच ही होगी। ऐसे में छात्राएं निर्धारित

• फोटोन न्यूज

समापन सत्र का संचालन मोनिका

साह ने किया और सभी

प्रतिनिधियों ने सम्मेलन के सफल

आयोजन के लिए सीएसआईआर-

एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप

घोष चौधरी और आईसीएमसीएस

2025 की अध्यक्ष संचिता

चक्रवर्ती को धन्यवाद दिया।

धन्यवाद ज्ञापन आईसीएमसीएस-

2025 के संयोजक डॉ. राजेन

कुंडू ने किया।

### का बनेगा जो गोल्ड प्लेटेड है। कार्यक्रम का यूट्यूब और वेबसाइट पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। समय पर इंट्री लें। डॉ. गुप्ता ने कहा पंडाल में 1000 लोगों के बैठने की

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाली छात्राएं गाउन और हैट नहीं पहनेंगी। उनके लिए यूनिवर्सिटी की ओर से ड्रेस कोड तय किया गया है। लाल दुपट्टे के साथ सफेंद्र सलवार कुर्ता या सफेद साड़ी लाल बॉर्डर या क्रीम कलर की साड़ी रेड बॉर्डर निर्धारित किया गया है। शिक्षकों के लिए क्रीम साड़ी लाल बॉर्डर एवं सफेद शर्ट के साथ क्रीम कलर की पैंट ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। सभी कमेटियां दीक्षांत समारोह की तैयारियों में जुटी हैं, ताकि सफलतापूर्वक समारोह का आयोजन किया जा सके। वहीं पोशाक का वितरण सिदगोड़ा परिसर से किया जा रहा है। दो दिनों में 300 से अधिक छात्राओं ने पोशाक ले लिया है। इस समारोह में छात्राओं के साथ साथ उनके अभिभावक भी आ सकते है। गोल्ड मेडल पाने वाली छात्राओं के साथ दो अभिभावक, जबकि डिग्री लेने आने वाली छात्राओं के साथ एक अभिभावक को समारोह में इंट्री मिलेगी।

छात्राएं सिदगोड़ा कैंपस से ले सकती हैं ड्रेस

### उपस्थित थे। इन छात्राओं को गोल्ड मेडल से किया जाएगा सम्मानित

**ओवरऑल बेस्ट् ग्रेजुएट** : मुस्कान महतो,

गणित विभाग की स्नातक २०२१-२४ बैच की अन्य गोल्ड मेडलिस्ट छात्राओं की सूची इस प्रकार है . . मानविकी संकाय – वर्षा प्रजापति (हिंदी) सामाजिक विज्ञान संकाय – अर्पिता दत्ता

विज्ञान संकाय – मुस्कान महतो (गणित) **वाणिज्य संकाय –** प्रीति कुमारी (अकाउंट्स) व्यावसायिक संकाय - रिया कुमारी सिंह (कंप्यूटर एप्लिकेशन)।

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के

धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर

ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद

धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता

है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1

मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह

बहुभोंजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं

पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं।

मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे

देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं।

और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने

रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और

प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं।

क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में

पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर

खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें। इसकी रोकथाम

फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन

महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए

जिसमें लगातार 2-3 वर्षों से मृगंफली की खेती नहीं की गई

हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के

बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर

तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज

उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की

तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई,

खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं

बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों

की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले

निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय

तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर

फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-

10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को

ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से

बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

### www.thephotonnews.com Saturday, 01 February 2025

मूंगफली की माहु

पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

सफेदलट



### निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तिमलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण

### भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेत् क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

### बीज एवं बुवाई

म्ंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंक्रण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। म्ंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

### खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत में बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

### नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मुंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

# HOUDE CO



फसल चक्र

रोग नियंत्रण

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही

उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में

सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा

शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो

फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों

में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले

कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि)

जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं।

इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग

के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा

पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप

खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-

जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपर संखया

के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना

चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति

किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

### सिंचाई

मृंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

### निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ता है। पहला बार फूल आने के समय दूसरा बार 2-3 सप्ताह बाद जबिक पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिडकाव कर देना चाहिए।

### रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

### टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कास्पोरा औरडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

### कीट नियंत्रण

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इक्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्रिनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव

### उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफ़्दी का प्रकोप हो सकता है।

### उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्रिण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रमें को भी सह लेती हैं। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती

# ग्वारकी उन्नतशील खेती

है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली

### उन्नतशील प्रजातियाँ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.

### बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

### भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

### खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

### बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

### बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर पौध से पौध - 15-20 सेमी

### बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई

आवश्यकतानुसार।

### खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गुडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।



इससे पौधें की जडों का विकास भी अच्छा होता है तथा जडों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किंग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

### फसल सुरक्षा

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है। मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

### ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सिक्रय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0



### क्या बजट आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा?



ललित ग

एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकडने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुर्निश्चित होगा।

द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रकर, मैन्युफैक्करिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।

आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया



यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय-समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ़्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से खासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का

बजट राहतभरा होने की उम्मीदे हैं। बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सुजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। ह्ममेक इन इंडियाह्न पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। 'गरीब कल्याण अन्न योजना' का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया

यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी के विजन में जहां ह्यहर हाथ को कामह्न का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ण का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। देखना यह है कि आम आदमी को कितना लाभ पहुंचता है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या-क्या निकलता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का मानक उस देश की जीडीपी होती है और बीते 12 वर्षों में भारत की जीडीपी ने तेज उछाल दर्ज की है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक विकास दर से दौड़ने की अपेक्षा है। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निजी बचत को बढ़ाये बगैर विकास की तेज रफ्तार का टिके रहना मृश्किल होगा। इसलिए इस ओर अभी से ध्यान देना जरूरी है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं।

एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकड़ने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आयेगा वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला साबित होगा, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। अक्सर बजट में राजनीति वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन मोदी सरकार के बजट राजनीति प्रेरित नहीं होकर राष्ट्र प्रेरित रहे है।

### संपादकीय

### अनहोनी हो ही गई

प्रयागराज महाकुंभ में जुटे श्रद्धालुओं के महासंगम ने अपने ही कुछ साथी श्रद्धालुओं की बलि ले ली। सरकारी ने चाक-चौबं व्यवस्था की थी। कुंभ प्रबंधन को उच्चतम तकनीकी प्रणालियों से जोड़ा गया था। बकौल सरकार चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बलों की तनाती थी। मौनी अमावस्या से पूर्व मकर संक्रांति का पहला अमृत स्नान बिना किसी अप्रिय घटना के शांति से गुजर गया था। प्रतिदिन आने वालों की संख्या 1 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही थी। समूचा मीडिया मेला प्रबंधन का प्रशस्ति गान किया जा रहा था। श्रद्धालुओं की बाइटें चलाई जा रही थीं जिनमें वह मेले में आकर स्वयं को कृतार्थ बता रहे थे और मोदी योगी के जय-जय के नारे भी लगा रहे थे। व्यवस्था को पूरी तरह श्रद्धालु हितैषी तथा अवरोध एवं व्यवधान रहित होने का इतना प्रचार कर दिया गया था कि किसी भी अनहोनी की आशंका की जगह नहीं बची थी। मीडिया और कुंभ के प्रचारक-समर्थक मौका मिलते ही आह्वान कर देते थे कि कुंभ आएं और पुण्य के भागी बनें। इस अति उत्साह में उन कमियों, परेशानियों और श्रद्धालुओं की कठिनाइयों की पूरी तरह अपेक्षा कर दी गई जो मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ कोनों से बताई जा रही थी। अब सवाल उठता है कि जब मेला प्रबंधन को यह पूर्वार्नुमान था कि 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज पहुंचेंगे तो क्या सचमुच उन्होंने अपनी हर आशंका को निर्मल कर लिया था। भगदड़ का कारण यह था कि संगम किनारे शुभ मुहूर्त प्रारंभ होने के साथ ही डुबकी लगाने का पुण्य लेने के आशय से बड़ी संख्या में जाकर वहां सो गए थे। जब अनियंत्रित भीड़ का रेला बेरिकेड़ तोड़ता हुआ पहले डुबकी लगाने की मंशा से आगे बढ़ा तो पहले से वहां विश्राम कर रहे श्रद्धालू उनके पैरों तले आकर कुचलने लगे। कोई संदेह नहीं कि घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई फिर भी यह सवाल उठता है इतनी अधिक अनियंत्रित भीड संगम स्थल पर तमाम व्यवस्थाओं के रहते कैसे पहुंची। और बेरिकेड तोड़ सकी। इस प्रश्न का उत्तर मेला प्रबंधन को अपनी किमयों में झांक कर ही तलाशना पड़ेगा। घटना के कुछ समय बाद कुंभ यथावत चलने लगा हो, लेकिन श्रद्धालुओं की मौत का दाग इस कुंभ पर लग ही गया। लिहाजा ऐसे मुद्दे पर अपेक्षा की जानी चाहिए कि लोग राजनीति के बजाय अधिक संवेदनशील होंगे।

### वेंतन-मनन

### मुक्ति का मार्ग

पूर्ण दिव्य ज्ञान प्राप्त कर लेने के बाद मनुष्य भगवान से गुणात्मक समता प्राप्त कर लेता है और जन्म-मरण के चप्र से मुक्त हो जाता है। लेकिन जीवात्मा के रूप में उसका वह स्वरूप समाप्त नहीं होता। वैदिक ग्रंथों से ज्ञात होता है कि जो मुक्तात्माएं वैपुंड जगत में पहुंच चुकी हैं, वे निरंतर परमेश्वर के चरणकमलों के दर्शन करती हुई उनकी दिव्य प्रेमाभिक्त में लगी रहती हैं। अतएव मुक्ति के बाद भी भक्तों का अपना निजी स्वरूप समाप्त नहीं होता। सामान्यतया इस संसार में हम जो भी ज्ञान प्राप्त करते हैं, वह प्रकृति के तीन गुणों द्वारा दूषित रहता है। जो ज्ञान इन गुणों से दूषित नहीं होता, वह दिव्य ज्ञान कहलाता है। जब कोई व्यक्ति इस दिव्य ज्ञान को प्राप्त होता है, तो वह परमपुरुष के समकक्ष पद पर पहुंच जाता है। जिन लोगों को चिन्मय आकाश का ज्ञान नहीं है, वे मानते हैं कि भौतिक स्वरूप के कार्यकलापों से मुक्त होने पर यह आध्यात्मिक पहचान बिना किसी विविधता के निराकार हो जाती है। लेकिन जिस प्रकार इस संसार में विविधता है, उसी प्रकार आध्यात्मिक जगत में भी है।

जो लोग इससे परिचित नहीं हैं, वे सोचते हैं कि आध्यात्मिक जगत इस भौतिक जगत की विविधता से उल्टा है। लेकिन वास्तव में होता यह है कि आध्यात्मिक जगत (चिन्मय आकाश) में मनुष्य को आध्यात्मिक रूप प्राप्त हो जाता है। वहां के सारे कार्यकलाप आध्यात्मिक होते हैं और यह आध्यात्मिक स्थिति भक्तिमय जीवन कहलाती है। यह वातावरण अदूषित होता है और यहां पर व्यक्ति गुणों की दृष्टि से परमेश्वर के समकक्ष होता है। ऐसा ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त आध्यात्मिक गुण उत्पन्न करने होते हैं। जो इस प्रकार के आध्यात्मिक गुण उत्पन्न कर लेता है, वह भौतिक जगत के सृजन या उसके विनाश से प्रभावित नहीं होता।



स समय अबू धाबी में स्वामीनारायण मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गत वर्ष 14 फरवरी 2024 को किया गया था उस समय भारतीय मीडिया में इसकी जोरदार चर्चा हुई थी। अबू धाबी में 27 एकड़ जमीन पर बने इस पहले एवं विशाल हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में 42 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस मंदिर के निर्माण हेत् 13.5 एकड़ जमीन अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद ने वर्ष 2015 में बीएपीएस संस्था को दान प्वरूप भेंट की थी। गौरतलब है कि र अमीरात में लगभग 26 लाख भारतीय रहते हैं जो वहां की कुल जनसँख्या का लगभग 30% हिस्सा है। इससे पहलें दुबई में भगवान शिव व भगवान कृष्ण के दो अलग अलग मंदिर और एक गुरुद्वारा तथा अबू धाबी में एक चर्च पहले से मौजूद थे परन्तु यहाँ कोई मंदिर नहीं था। हालाँकि अबू धाबी में निर्मित हुये इस विराट व भव्य मंदिर के निर्माण के बाद यह प्रचारित करने की कोशिश की गयी कि यह अरब जगत में निर्मित पहला हिंदू मंदिर है परन्तु यह सच्चाई से कोसों दूर गोदी मीडिया द्वारा सत्ता की चापलुसी के लिये गढ़ा गया एक

### इबादत के दुश्मन ये संकीर्ण व रुग्ण मानसिकता के लोग

नरेटिव मात्र था। क्योंकि बहरीन की राजधानी मनामा में सिंधी हिंदू समुदाय का श्रीनाथजी का मंदिर एक सदी से भी अधिक पुराना है। पड़ोसी देश सऊदी अरब में रहने और काम करने वाले हिंदू भी पवित्र अवसरों पर इस मंदिर में पूजा-पाठ करने आते हैं। ओमान की राजधानी मस्कट में 125 वर्ष प्राचीन मोतीश्वर मंदिर भगवान शंकर का मंदिर हैं। जबिक मस्कट के ही रुवी में 150 साल पुराना कृष्ण-विष्णु मंदिर भी है। इस मंदिर को ओमान के सुल्तान ने ओमान में बसे गुजराती हिन्दु समुदाय के लिए मित्रता के प्रतीक के रूप में निर्मित कराया था। इसके अलावा भी दुबई में संपन्न भारतीय समुदाय में दक्षिण भारतीयों के अलावा सिंधी, मराठी, गुजराती, पंजाबी और करीब सभी प्रमुख धर्मों के कई दशकों पुराने अनेक धार्मिक स्थान हैं। यहाँ इन्हीं मंदिरों में ही पूजा अर्चना,हवन यज्ञ धर्म व आध्यात्मिक से जुड़े समारोह, उत्सव व अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इतना ही नहीं बल्कि दुबई और उसके आसपास के कुछ शहरों और खाड़ी के अन्य हिस्से में दिवाली की रात ठीक उसी तरह की रोशन होती है, जैसे भारत में होती है। यह तो उन इस्लामिक देशों में मंदिरों की स्थिति है जहाँ मूर्ति पूजा प्रतिबंधित मानी जाती है परन्तु केवल धार्मिक सौहार्द व सम्मान के कारण अरब जगत के कई देश धार्मिक सिहण्णुता का परिचय देते हुये एक दूसरे की धार्मिक मान्यताओं व परंपराओं का आदर व सत्कार करते हैं। निश्चित रूप से जब भारतीय समाज ऐसी खबरों से बाखबर होता है तो उसे बेहद खुशी होती है। परन्तु ठीक इसके विपरीत हमारे देश में असिहष्णुता का दिनोंदिन बढ़ता सिलसिला हमारे लिये

शर्मिन्दिगी का सबब बनता जा रहा है। यदि हम अरब

देशों में मंदिरों के निर्माण पर ख़ुश हो सकते हैं। जब हम बांग्लादेश,पाकिस्तान या अफगानिस्तान जैसे देशों में मंदिर गुरुद्वारों व चर्चों पर होने वाले हमलों पर क्रोधित होते हैं तो हमें स्वयं सौहार्द की मिसाल पेश कर दुनिया के सामने सिहष्णुता व सद्भाव का एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिये। परन्तु यहाँ तो सत्ता के संरक्षण में स्थिति दिन प्रतिदिन कुछ और ही होती जा रही है। गुजरात से शुरू हुआ धार्मिक असहिष्णुता का यह घिनौना खेल अब उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश,हरियाणा,राजस्थान,उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों तक जा पहुंचा है। कहीं मस्जिदों में नमाज अदा करने से रोका जा रहा है तो कहीं अपने घरों में ही नमाज पढ़ने पर पाबन्दी लगा दी गयी है। जुमे के दिन गुड़गांव जैसे बड़े शहर में पार्कों या खुले स्थानों पर शांतिपूर्वक नमाज पढ़ने वालों का कई बार विरोध हो चका है। हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों में चर्चों पर भी हमले होते रहते हैं। मस्जिदों के इमामों की हत्यायें व उनपर हमले होते रहते हैं। कहीं मस्जिद पर भगवा फहराया जाता है तो कहीं पीर फकीरों की मजारों या दरगाहों को हिंसा व उपद्रव का निशाना बनाया जाता है। आज हमारे देश में ऐतिहासिक प्रमाणिकता के साथ ऐसे सैकड़ों गैर मुस्लिम धर्मस्थान मिल जायेंगे जिसके लिये मुस्लिमों द्वारा जमीन दान में दी गयी हैं। आज जहां एक ओर तो हमारे देश में सूफी फकीरों से जुड़े अनेक आस्तानों का संचालन गैर मुस्लिमों द्वारा पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ किया जा रहा है। नानक, कबीर, फरीद, बुल्ले शाह, ख़ुसरु, निजाम, चिश्ती, रहीम रसखान और जायसी जैसे संतों व समाज सुधारकों की सर्व धर्म समभाव की मानवीयता पूर्ण विरासत को संजोकर रखने की कोशिश की जा रही है वहीँ

साम्प्रदायिकता की शह पाये कुछ लोग इस भारतीय परंपरा और विरासत को छिन्न भिन्न करने की पुरजोर कोशिश में लगे हुये हैं। यही संकीर्ण मानसिकता के लोग दूसरे समुदाय के लोगों के खान पान पर नजरें रखते हैं। उनकी रसोई में क्या बना है इसमें इनकी पूरी दिलचस्पी है। दूसरों के पहनावे पर एतराज, धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति , नफरत की हद तो यह कि इन्हें मुसलमानों के मकान खरीदने या किराये पर लेने पर भी आपत्ति होती है। इनके रोजगार से नफरत,इनके व्यवसायिक बहिष्कार की कोशिशें,और हद तो यह हो गयी कि एक मुस्लिम बच्चे द्वारा मंदिर के प्याऊ से पानी पीने का विरोध करने व उसकी पिटाई का समर्थन करने वाले मंदिर का महामंडलेश्वर आज हिन्दू धर्म का आइकॉन बन चुका है ? कहाँ चली गयी है हमारी इंसानियत? आखिर किस युग में जी रहे हैं हम ? इन दिनों इलाहाबाद (प्रयागराज ) में कुंभ का विराट आयोजन चल रहा है। देश के लिये निश्चित रूप से यह एक गौरवपूर्ण आयोजन है। परन्तु दुःख का विषय है कि इस आयोजन में भी अनेक मंचों का प्रयोग साम्प्रदियकता फैलाने व धर्म विशेष के प्रति नफरत भड़काने के लिये किया गया। केवल छुटभैय्ये नेताओं द्वारा ही नहीं बल्कि शासन से जुड़े जिम्मेदार नेताओं द्वारा वैमनस्य पूर्ण बातें की गयीं। परन्तु सुखद यह है कि इसी कुंभ में अनेकानेक मानवतावादी संत व प्रचारक ऐसे भी थे जिन्होंने परस्पर सौहार्द,एकता व भाईचारे का सन्देश दिया। अन्यथा संकीर्ण व रुग्ण मानसिकता के यह लोग जो इबादत के दुश्मन बने बैठे हैं उनसे मानवीयता की क्या उम्मीद की जा सकती है? (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## महाकुंभः आयोजन से लें सबक



ते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ जैसे भव्य और जटिल आयोजन के सफल प्रबंधन को लेकर मीडिया में खबरों की भरमार थी। सोशल मीडिया में भी तमाम विशिष्ट व्यक्तियों और जानीमानी हस्तियों के वीडियो भी वायरल हो रहे थे। राज्य सरकार भी इस आयोजन को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही थी। इतने बड़े आयोजन का बिना किसी हादसे के सफल होना न केवल गर्व की बात है बल्कि इससे राज्य सरकार की प्रबंधन क्षमता का प्रमाण भी मिलता है, परंतु महा कुंभ में मौनी अमावस्या को हुई भगदड़ ने इस कार्यक्रम की कई किमयों की पोल खोल दी।

राज्य में सरकार किसी भी दल की क्यों न हो यदि इतने बड़े स्तर पर होने वाले आयोजन किए जाएं तो इससे प्रदेश सरकार की संगठनात्मक दक्षता, प्रशासनिक क्षमता और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तत्परता की परीक्षा भी होती है। यदि कोई भी अप्रिय घटना न घटे तो यह निःसंदेह प्रशंसनीय कार्य होता है। वहीं यदि कोई छुट-पुट घटना भी घट जाए तो हर कोई आयोजकों की बुराई करने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति, बुनियादी सुविधाओं का प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन, यातायात नियंत्रण, और सुरक्षा प्रबंध, प्रदेश के प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में इतने बड़े स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में ह्यवीआईपी' को झेलना प्रशासन के लिए एक बड़ी समस्या बन जाता है, परंतु सोचने वाली बात यह है कि जो सरकारी तंत्र आम जनता के लिए इतने बड़े स्तर पर आयोजन करती है, उसी तनाव के बीच यदि उसे वीआईपी बंदोबस्त भी करना पड़े तो उनके हाथ-पांव फूलना असाधारण नहीं माना जाएगा। ठीक इसी तरह यदि वही सरकारी ढांचा उसी दक्षता और इच्छाशक्ति से आम जनता की सेवा में भी उत्साहित दिखाई दे तो शायद किसी भी वीआईपी को भीड़ को चीरते हुए आगे निकलने की जरूरत ही न पड़े, लेकिन क्या ऐसा होता है? क्या यही तत्परता और तेजी जनता की समस्याओं, जैसे भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, और असमानता को हल करने में उपयोग की जाती है? यदि ऐसा हो तो देश का हर राज्य वहां के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। कुंभ में हुई भगदड़ की गहराई से जांच होने पर ही असल कारण का पता चलेगा, परंतु यहां सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े स्तर पर आयोजन किए गए तो क्या प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि मेले में इतनी ज्यादा भीड़ आएगी? यदि शुरू आती दौर में इस बात का अंदाजा नहीं था तो जब कुंभ में इतनी ज्यादा भीड़ आने लगी तो प्रशासन ने इस दिशा में क्या कदम उठाए? विपक्षी पार्टियों का प्रश्न है कि क्या पूरा प्रशासन केवल वीआईपी बंदोबस्त में ही लगा था? यदि प्रशासन को यह पता था कि इस ऐतिहासिक आयोजन में करोड़ों

इस स्थिति से निपटने के लिए क्या इंतजाम किए गए? इन सभी बिंदुओं पर जवाबदेही को तय करना भी अनिवार्य होना चाहिए। ये सब तभी कामयाब होंगे जब इनमें जन भागीदारी भी बढ़ेगी। जिस तरह कुंभ जैसे आयोजन में सीमित समय और संसाधनों का कुशल उपयोग किया गया। यही मॉडल देश में गरीबी और बेरोजगारी के समाधान में भी लागू किया जा सकता है। इसके लिए कौशल विकास केंद्र बनाए जाएं जहां युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। कुंभ के आयोजन में जिस प्रकार जागरूकता अभियान चलाए गए, उसी तरह अशिक्षा के खिलाफ भी आंदोलन चलाया जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक गांव और कस्बे में ऐसे स्कूल खुलें जो प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इसके साथ ही ग्रामीण इलाकों में डिजिटल शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाए। कुंभ के दौरान सीमित बजट में बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यही रणनीति महंगाई और आर्थिक असमानता को दूर करने में उपयोगी हो सकती है। इसके लिए सरकार को मूलभूत वस्तुओं की सस्ती उपलब्धता पर जोर देना चाहिए और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और मजबूत करना

आशावादी होना अच्छा है। महाकुंभ के प्रबंधन ने यह साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश का प्रशासन किसी भी बड़ी चुनौती से निपटने की क्षमता रखता है। अगर यही इच्छाशक्ति और कुशलता भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, और असमानता जैसी जन समस्याओं को हल करने में लगाई जाएड्क तो उत्तर प्रदेश एक नये युग की शुरू आत कर सकता है। यह समय है कि कुंभ प्रबंधन से सीखे गए सबकों को



जनहित में लागू िकया जाए और एक ऐसा समाज बनाया जाए, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सुविधाएं प्राप्त हों। जन समस्याओं का समाधान केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बिल्क एक सामाजिक कर्तव्य है। इसके लिए सरकार को जनता का और बदले में जनता को सरकार का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो तभी एक नया उदाहरण स्थापित होगा। यदि एक प्रदेश में ऐसा हो सकता है तो संपूर्ण भारत में ऐसा होने में देर नहीं लगेगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5<sup>th</sup> Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

श्रद्धालुओं के अलावा सैकड़ों वीआईपी भी आएंगे तो

### Saturday, 01 February 2025

# Kumbh stampede leaves painful lessons

The unfortunate incident of stampede at Prayagraj Maha Kumbh is a cause of concern for the whole nation. As per initial reports, more than a hundred million devotees had gathered in the Sangam area to take 'amrit snan' on the occasion of 'mauni amavasya'. The thread of faith and belief of the masses is so strong that everybody wants to take a holy dip at the nose point on this historic moment which has arrived after 144 years.

It is being reported that the mishap happened around 1 o'clock in the early morning hours, when some pilgrims tried to cross the barricades demarcating the path for the akharas to go for the traditional 'shahi snan'. It is a matter of satisfaction that normalcy was restored immediately and the rituals at the Sangam are going on.

Stampede during religious congregations has become almost a matter of routine in India. People take it in their stride as an act of God and the administrators also forget it after some initial jolts.In January 2015, in a stampede at a temple in Andhra Pradesh, six devotees died in an attempt to get the free-visit passes; 121 people lost their lives at Hathras in Uttar Pradesh in their quest to get a closer glimpse of their religious guru; 115 pilgrims were killed and 100 others injured in a stampede at Ratangarh temple in Madhya Pradesh during Navaratri celebrations in November 2023.

The Kumbh Mela in Uttar Pradesh witnessed a stampede in February 2013, in which 36 devotees lost their lives; while jostling to get free food and clothing at a temple in Uttar Pradesh, 63 people died due to mismanagement; in September 2008, 250 pilgrims were trampled to death at Chamundagar temple in Rajasthan during the Navaratri festival; 145 devotees died after a rumour of a landslide triggered a stampede at the Naina Devi temple in Himachal Pradesh in August 2008; 265 people died at the Mandardevi temple in Wai town, Maharashtra, because of slippery steps in January 2005. The list of such mishaps is endless. The recurrence of such human tragedies at regular intervals indicates that the system does not learn enough lessons to prevent them from happening in future.

Though it is not advisable to do a hasty post-mortem of such a human tragedy, there are some facts in the public domain which need to be discussed for preventing similar mishaps. Such discussions become imperative in view of the fact that preparations for the Maha Kumbh started years before the event. Meticulous planning was done under the supervision of the Chief Minister of the state. Pre-event assessment of the crowd as well as daily monitoring of the arrivals of the devotees during the Maha Kumbh is of utmost importance. The entry of the pilgrims in the Sangam area should have been regulated keeping in view the actual space available to accommodate them.

There should have been a mechanism in place, in coordination with police agencies of all states, to estimate the number of devotees likely to arrive at the Maha Kumbh on a daily basis. Restrictions, which were imposed on the movement of trains and buses carrying people to Prayagraj after the tragedy, should have been clamped much before the crowd swelled to full capacity. It seems many devotees did not leave the area after taking a holy dip at the nose point and were occupying the space for days together, resulting in congestion. This would have been prevented by launching awareness campaigns and circulating advisories in advance, asking people to limit their stay at the Sangam area and vacate the space for the others.

There should have been deployment of force to ensure that the circulating and bathing areas were free from unnecessary squatting. It is advisable to olan holding areas at all entry points to contain the crowds temporarily and release them in groups as per the space available on the bathing ghats. Waterways should have been planned for a quick exit of the pilgrims from the Sangam area. The entry and exit routes should have been separate to avoid traffic jam. It would have been better if areaspecific days for bathing were fixed and notified to people for the sake of their safety and security. ss

### **Kudos to cops for cracking Saif case**

Politicians have struck a jarring note by making all sorts of inferences and insinuations

It was in 1975 (or perhaps the first half of 1976) that I first set eyes on Saif Ali Khan. He was fast asleep on the upper berth of a coupe on a Mumbai-Ahmedabad train. The berth was booked in the name of his father, the Nawab of Pataudi, Mansoor Ali Khan, a former captain of India's cricket team. The Nawab and I had dinner on the lower berth, which was booked in my name. Ten years later, he came to my Chandigarh bungalow to interview me. He recalled our train journey and I inquired about his son.

A few years ago, I met Saif and his wife, Kareena, at the Mahalaxmi Race Course. It was the day of the Indian Derby. Saif and I were guests of our mutual friend, Faroug Rattonsey, whose horses had won the race in two successive years previously. I took advantage of the occasion to recount to him that train journey. Earlier this month, I found his name and pictures splashed across newspapers and news channels for his brush with an intruder in his 11thfloor residence in Mumbai's tony suburb of Bandra, where many Bollywood actors live. Saif was stabbed when he confronted the intruder. He had to go to a private, well-known hospital close to his home for medical treatment, including a surgery in close proximity to the spine. It was a delicate operation expertly performed by the hospital's competent doctors. Saif recovered in five days and was discharged.An unnecessary controversy was kicked up in the electronic and print media on unrelated issues like why his wife did not accompany him to the hospital and why he chose an autorickshaw over an Uber or an Ola. (Answer: It was easily available outside his residence). The worst was yet to come. In the days following the assault, critics of the Maharashtra Government went to town proclaiming a total collapse of law and order. They denigrated my city of Mumbai as the most dangerous place to live in and its police force as the pits as far as security of life and property was concerned. Arnab Goswami, the doven of sensationseeking newshounds, found fault with every move the police made to nab the culprit. Obviously, he was still smarting from the fact that the Mumbai Police had dared to arrest him and put him behind bars for a few days for trying to build up viewership through sensationalism.Politicians went even further, making all sorts of inferences and insinuations, going to the extent of asserting that Saif was not stabbed or injured at all, but was merely playing to the 'gallery'! BJP leader Nitesh Rane, recently inducted into the Mahayuti government, tried to

introduce a communal angle into the episode. Nitesh is a known Muslim-baiter and poor Saif is consequently condemned in the minister's eyes. I am sure that the minister is aware that Saif's mother is Sharmila Tagore and his wife Kareena Kapoor. How much of Islam Saif himself has imbibed or follows is uncertain. As far as my knowledge goes, religion has never been a contentious issue in Bollywood. The criticism of the police is even more disturbing. Doubts have been expressed about the identity of the man arrested, to the extent of asserting that he does not resemble the person shown entering and exiting



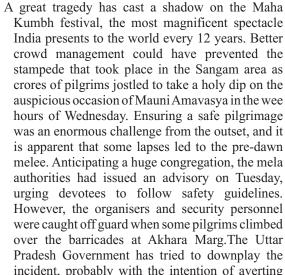
through the staircase in the CCTV footage. Obviously, the doubts have been created by elements who want to disparage the government at any cost, particularly on an occasion when a golden opportunity to berate it in the public eye presents itself, like it does when a prominent person is attacked.evel-headed and fair-minded citizens will pat the back of the city police's crime busters for the systematic and patient efforts they made to nab the culprit despite the tremendous pressure they faced from the onset of the investigation. It is not easy to get rid of public and political pressures to trace culprits quickly on such occasions. I have experienced such pressures myself all through my working years and hence can relate and sympathise with the officers and men entrusted with the job. Earlier this month, I found his name and pictures splashed across newspapers and news channels for his brush with an intruder in his 11th-floor residence in Mumbai's tony suburb of Bandra, where many Bollywood actors live. Saif was stabbed when he confronted the intruder. He had to go to a private, well-known hospital close to his home for medical treatment, including a surgery in close proximity to the spine. It was a delicate operation expertly performed by the hospital's competent doctors. Saif recovered in five days and was discharged.An unnecessary controversy was kicked up in the electronic and print media on unrelated issues like why his wife did not accompany him to the hospital and why he chose an autorickshaw over an Uber or an Ola. (Answer: It was easily available outside his residence). The worst was yet to come. In the days following the assault, critics of the Maharashtra Government went to town proclaiming a total collapse of law and order. They denigrated my city of Mumbai as the most dangerous place to live in and

its police force as the pits as far as security of life and property was concerned. Arnab Goswami, the doyen of sensation-seeking newshounds, found fault with every move the police made to nab the culprit. Obviously, he was still smarting from the fact that the Mumbai Police had dared to arrest him and put him behind bars for a few days for trying to build up viewership through sensationalism.Politicians went even further, making all sorts of inferences and insinuations, going to the extent of asserting that Saif was not stabbed or injured at all, but was merely playing to the 'gallery'! BJP leader Nitesh Rane, recently inducted into the Mahayuti

government, tried to introduce a communal angle into the episode. Nitesh is a known Muslim-baiter and poor Saif is consequently condemned in the minister's eyes. I am sure that the minister is aware that Saif's mother is Sharmila Tagore and his wife Kareena Kapoor. How much of Islam Saif himself has imbibed or follows is uncertain. As far as my knowledge goes, religion has never been a contentious issue in Bollywood.he criticism of the police is even more disturbing. Doubts have been expressed about the identity of the man arrested, to the extent of asserting that he does not resemble the person shown entering and exiting through the staircase in the CCTV footage. Obviously, the doubts have been created by elements who want to disparage the government at any cost, particularly on an occasion when a golden opportunity to berate it in the public eye presents itself, like it does when a prominent person is attacked. Level-headed and fairminded citizens will pat the back of the city police's crime busters for the systematic and patient efforts they made to nab the culprit despite the tremendous pressure they faced from the onset of the investigation.

### Maha Kumbh tragedy

Safety of devotees must be prioritiseda



crowd management could have prevented the stampede that took place in the Sangam area as crores of pilgrims jostled to take a holy dip on the auspicious occasion of Mauni Amavasya in the wee hours of Wednesday. Ensuring a safe pilgrimage was an enormous challenge from the outset, and it is apparent that some lapses led to the pre-dawn melee. Anticipating a huge congregation, the mela However, the organisers and security personnel were caught off guard when some pilgrims climbed over the barricades at Akhara Marg.The Uttar incident, probably with the intention of averting panic and avoiding negative publicity, even as Prime Minister Narendra Modi offered condolences to the



devotees who lost their family members. A thorough probe is a must to find out how the situation spun out of control and who all were guilty of dereliction of duty.

Creating a veil of secrecy will only fuel rumours and misinformation. The administration did appeal to devotees to bathe at the first ghat they reached so as to prevent overcrowding, while emphasising that all ghats at Sangam were equally sacred. However, this appeal should have been backed by proactive steps to make pilgrims move ahead in a disciplined way. The Sangam stampede should prompt the mela organisers to review security arrangements and do course correction. Chief Minister Yogi Adityanath has said that the government's first priority is to ensure the safety of devotees. This should be the way forward during the remaining four weeks of the Maha Kumbh. The spectre of death should not be allowed to

mar a festival that proudly showcases India's spiritual

### The letters, loves and literature of Amrita Sher-Gil

### Amrita had a choice of lovers and she exercised it daringly, at times, even defiantly.

Amrita Sher-Gil (1913-1941) was very fond of literature, poetry in particular. This fondness figured midway between her passion for painting and interest in music.During her early childhood in war-torn Hungary, drawing interested her a lot. She was able to draw figures on her own. But reading needed help. With help from her parents, she took to reading short pieces, lyrical poems in particular. Hungarian was her mother tongue and appealed to her.

She read not only to pass time but also to enjoy and refine her feelings. The poems of Endre Ady charmed her a lot. He was a symbolist who sought to award new meanings to social and political concerns. They were in tune with the risks that had begun to lurk over human life with the advent of industrial changes. She might not have grasped the full import of such poems then. Her interest grew into profound concern when, as a young lass, she started to live in Paris, the centre of modernism in Europe. It was only a matter of time before French became her primary mode of communication and literary expression. Charles Baudelaire shone over the literary and artistic world at the time. He wrote poems in the modern mode, setting a trend in Europe. Under his influence, love poetry turned its back on nostalgia, swooning in union and the bliss of solitude. Their place was taken up by cynicism, loneliness, nihilism and abandon. Evidences of all these factors were to be seen and encountered in every nook and corner of Paris.

Amrita did swim with the tide, but she also set her aim high. While Picasso and Braque painted Europe, she resolved to paint India in a modern way.India was then ruled by the British. It was pertinent for her to be adept in the use of the English language and also to have sufficient knowledge of its literature. Her

letters, which escaped burning at the hands of her parents, bear witness to the fact that her writing skills in English grew very fast. Her earlier letters to her admirers and lovers show that she was labouring a lot. Words and phrases were jumbled together. Her later letters show how cogent she had become in their usage. Surely, towards the end of her short and tragic life, English blossomed as her literary language with as much felicity as French had figured earlier. Regarding Punjabi and Urdu, she could converse in these languages, probably not so fluently. What about her study of English literature? As compared to her grasp of French literature, it was less in extent and depth. She relished DH Lawrence and Virginia Woolf. Like Lawrence, she believed that sensuality was the root of the creative process in a language and more so in music and painting. In its absence, the creative urge met with a false and facile end.

Virginia Woolf gave her the insight to paint from more than one perspective. The first creative work to celebrate her art is a play in

Punjabi written by Sant Singh Sekhon. Named Kalakar (artist), its protagonist is a male artist who feels that Amrita Sher-Gil is destined to raise the art scene in Punjab to the level it is enjoyed elsewhere, particularly in Europe. Her great concerns — seeing versus looking, sex versus sexuality, nakedness versus nudity — figure a lot in it.Then, a Pakistani poet of great promise penned a poem, Jamurd, on her celebrated painting, The Three Sisters. He invokes



the memory of Amrita to take birth again and turn the enraptured silence of the three sisters into an eloquent experience. Slender and short, but charming, Amrita fascinated Salman Rushdie, who introduced the spell of magical realism in the Indo-English fiction. In The Moor's Last Sigh, he both inflates her being and deflates her becoming. Its heroine, born and brought up in Europe, turns into a painter of diverse talent. She is married and her husband is a mismatch. Though she bears several

children, her charm stays intact. Even Jawaharlal Nehru gets close to Amrita Sher-Gil. He would often voice his affection for her.

Rushdie's definition of Amrita as a "line of beauty" glows as a rainbow in the play, Tumhari Amrita, starring Shabana Azmi and Farooq Shaikh. It was the Urdu translation of an American play, Love Letters, penned by AR Gurney in 1889. It had nothing to do with Amrita's life, except that she was also very fond of writing and receiving letters. Her letters hinged on the recognition of the other along with of her own self. No wonder. she was full of remorse when her parents consigned most of her letters, including several from Nehru, to the flames.Tumhari Amrita deals with the illusion and disillusion caused by letterwriting, with the lovers getting close just for a short while. With Amrita, it was otherwise. Amrita had a choice of lovers and she exercised it daringly, at times, even defiantly. She had the creative urge to realise her potential through sexual

union. There was none who charmed her for long. Most persons with whom she cohabited failed to understand how sex, turning into a play of senses, invigorated her art of painting. Rather than getting intrigued, which regrettably enough they did, it was essential for them to grasp this factor. This was the core of her being-cum-becoming and it is yet to be grasped in full. The leitmotif, lost in the past, should be elaborated, recognised and applauded.

### India will build world-class Apple expanding manufacturing in India to meet Al model: IT minister domestic demand, global export needs: Tim Cook

NEW DELHI. India will develop a world-class foundational AI model that will compete with the best global models, including ChatGPT and Deepseek R1, said Minister of electronics and information technology Ashwini Vaishnaw on Thursday.he minister while speaking to the press also highlighted that the government's AI compute facility would be "the most affordable" in the world. The minister further stated that at least six major developers and start-ups are expected to build foundational models within the next 8-10 months, with an optimistic estimate of just 4-6 months."Making modern technology accessible to everyone, that is the economic thinking of our PM... Ours is the most affordable compute facility, at this point of time," Vaishnaw said.

The minister outlined the next steps in India's AI blueprint, which includes the deployment of 18,693 Graphics Processing Units (GPUs) by empanelled bidders, including companies such as Jio Platforms, CMS Computers, Tata Communications, E2E Networks, Yotta Data Services, and others. Additionally, the government plans to establish an AI safety institution, with 8 projects already approved under this initiative.

The government is also seeking proposals to develop India's own foundational AI models tailored to the country's context, languages, and culture.

These models will use datasets that are "for our country, by our country, and for our citizens," with an emphasis on removing biases. As part of the IndiaAI Mission, the government had earlier approved an outlay of Rs 10,372 crore to strengthen India's AI ecosystem, with a key focus on enabling 10,000 GPUs for AI compute infrastructure. When asked about potential impacts of the US' GPU and AI chip export restrictions on India's AI mission, Vaishnaw reassured that India is regarded as a trusted partner globally.

India respects intellectual property rights and technological considerations. That's why we have signed memorandums of understanding (MoUs) on several important technologies," the minister

### Survey may address tough economic questions

cThe much-awaited Budget session of the parliament kicks in with the tabling of the Economic Survey report in Parliament on Friday. The economic survey report, an annual document prepared under the guidance of the CEA, is a precursor to the Budget. It gives a glimpse of the economic health of the country in the ongoing financial year, and lays down a path for policymakers for the next year. Even though the finance ministry and its bureaucrats maintain that the preparation of the Economic Survey report is an independent process and has no bearing on the budget presented a day later, the survey does prepare for things to come in the budget. With the economy going through tough times - GDP growth slowing down, consumption and private investments failing to take off and employment generation facing unprecedented challenges amid the rise of AI and automation - the Economic Survey is expected to find answers to some of those questions."This annual publication (of Eco survey) is a definitive source for understanding the Indian economy, its challenges and likely solutions through the lenses of actual practitioners," says Debopam Chaudhary, chief economist, Piramal Enterprises. He expects the survey to lay out a plan to create fiscal space for funding new capex; underline low or negative economic impact from freebies and make a case for one nation one election.Lekha Chakrabarti, an economist and a professor at National Institute of Public Policy and Finance (NIPFP), says the Economic Survey will focus on "economic growth with equity" towards a Viksit Bharat 2047. She says the country does not have a comprehensive document yet on the analytical framework and the road map towards Viksit Bharat 2047, and she hopes this Economic Survey will present that comprehensive framework and the significant components of our 'graduation dreams' towards a developed country by 2047.

### Sensex jumps 800 points: 5 reasons why stock market is rising ahead of Budget

NEW DELHI. The stock market surged in the afternoon session on Friday, a day before Budget 2025, with the Sensex and Nifty gaining almost 1%.

While the S&P BSE Sensex surged nearly 800 points to reach a day's high of 77,537.12, Nifty gained almost 300 points, both extending their gains for the 4th consecutive day. The S&P BSE Sensex was up 766.21 points to 77,526.02, while the NSE Nifty50 climbed 275.10 points to 23,524.60 as of 1:30 pm. Below are the reasons behind the market rally on Dalal Street ahead of the Union Budget 2025 presentation:

Investor Optimism on Growth Measures

Investors are hopeful that the government will announce policies to support economic growth.

Expectations of tax relief, higher spending on infrastructure, and incentives for key industries have boosted market sentiment. A strong push towards manufacturing and job creation could further improve the economic outlook. Strong Performance of IT, Auto, and Consumer Stocks

Shares of IT, auto, and consumer durable companies have been among the biggest gainers. Trivesh, COO of Tradejini, said, "Investor optimism is driving market sentiment, fueled by expectations of policy measures that could support economic growth. Historically, Budget Day has been volatile, but data shows that Nifty has closed positively after the Budget in 12 out of the last 18 years since 2010. While initial reactions may be mixed, markets often recover if key measures align with expectations."

The company has been diversifying its manufacturing from China to India, largely due to the ongoing trade tensions between the U.S. and China.

**NEW DELHI**. Apple CEO Tim Cook on Friday said that the company is expanding its manufacturing in India to meet both domestic demand and global export needs. During a call with investors discussing the company's quarterly results, Cook also expressed his enthusiasm for the Indian market. In 2024, Apple surpassed the Rs 1 trillion

mark for iPhone exports from India, achieving record outbound shipments of USD 12.8 billion (Rs 1.08 trillion), reflecting a 42% year-on-year increase."Yeah, if you look at the manufacturing we do there, we do manufacturing both for the domestic market, and we export. And so, in -- our business needs a certain economies of scale for it to make sense to manufacture in-country. And so, that really means that we're going to be both a use for the domestic market and an export market," said Cook. The company has been diversifying its manufacturing from China to India, largely due to the ongoing trade tensions between the U.S. and China. Apple now aims to source around 25% of its total manufacturing from India.Cook also revealed that India set a new record for the December quarter and that the company is planning to open four more stores in the modest share in India, it aims to grow its presence in the market.



"We have great results in a number of emerging markets. And as you know, from past calls, I'm particularly keen on India. India set a December quarter record during the quarter. And we're opening more stores there," said Cook. country. While Apple currently holds a Additionally, Cook stated that the iPhone

was the top-selling model in India during the quarter. India, which is the

> second-largest smartphone market in the world and the third-largest for PCs and tablets, presents a significant opportunity for Apple, given its modest current share in these markets.

'And we have very modest share in these markets, and so I think there's lots of upside there," he added.Apple reported a remarkable USD 124.3 billion in revenue for the year-end holiday quarter, although sales growth fell short of market expectations as the iPhone

faces intense competition, particularly in China. However, the company's shares surged more than 3% in afterhours trading on Thursday after it forecast higher-than-expected sales for the upcoming quarter.

### **Budget Session: Finance Minister Nirmala** Sitharaman tables Economic Survey 2024-25

NEW DELHI. Union Finance Minister Nirmala Sitharaman on Friday tabled the Economic Survey for 2024-25, offering a glimpse into the state of the Indian economy, a day ahead of the Union Budget presentation. The survey, an annual document

prepared by the Ministry of Finance under the guidance of the Chief Economic Advisor, provides a snapshot of the country's economic health for the current financial year and outlines a path for policymakers in the year ahead. With the economy facing challenges—slowing GDP growth,



weak consumption and private investment, and difficulties in employment generation amid the rise of AI and automation—the Economic Survey is expected to address some of

these pressing issues. While the finance ministry and its officials maintain that the Economic Survey is prepared independently and does not influence the Budget, it offers insights into potential developments to

ast year, the Economic Survey had forecasted a lower growth rate of 6.5-7%, below the 7.2% projected by

the RBI. The theme of the survey was economic resilience and had set the tone for the policies were proposed in the 2024 Union Budget.

### Demand for hybrid cars will remain strong in 2025'

NEW DELHI: Japanese auto major Toyota is confident that demand for hybrid vehicles will remain strong in India going forward owing to its practicality and consumer acceptance.

Two years back we introduced the strong hybrid vehicle and the customers have accepted it. There are still convictions that in terms of practicality, hybrids are going to stay here. We believe that demand for strong hybrids will remain strong in 2025 as well," Toyota Kirloskar Motor & Lexus India, Deputy Managing Director - Sales-Service-Used Car, Tadashi Asazuma told this publication.

As per the last data available, sales of hybrid cars, including both strong and plug-in versions, increased by 27% from January to July 2024, reaching 51,897 units compared to 40,811 units during the same period last year. Toyota has multiple hybrid vehicles in India, ranging from Hyryder and Hycross to Camry and Vellfire.

The company said that they are operating their Karnataka plant in three shifts (or 24 hours) to

### SP Group to seal \$3 billion refinancing deal with global funds to repay debt



MUMBAI. The Shapoorji Pallonji Group, which owns 18.6% in over \$30.5 billion worth Tata Sons, is close to sewing up a funding deal with a

group of overseas alternative asset managers to refinance its outstanding debt that runs in excess of \$3.2 billion. The group has been trying to raise funds to refinance its mounting debt for quite some time, and was close to line up Rs 20,000 crore of funding late last year from state-run Power Finance Corporation (PFC) but the lender backed out at the final stage. Before that its attempts to raise money didn't

materialise, forcing it to buy time from creditors after paying interest. A large portion of the debt was maturing last May. As per a source in the know of the ongoing discussions, the Shapur Mistry-led group is in advanced stage of talks with four alternative asset managers -- Davidson Kempner and Cerberus Capital, along with its existing investors Farallon Capital Ares Management, who are willing to partially rollover their debt maturing later this year. Sterling Investments, the main holding company of the group, holds a little over 9% in Tata Sons,

while other group entities own the remaining stake in the country's largest conglomerate, valued at over \$165 billion, which means the SP group's stake is worth over \$30.5 billion. "The SP group and these alternative asset managers are likely to sign an agreement within the next 40-45 days," the source told TNIE.

The SP group didn't respond to calls seeking confirmation.

The group has been looking for fundraising since early 2024 but without much success. Most of its existing debt was maturing in May 2024. Since then it got an extension

from creditors by paying interest. Most of the group's debt is linked to the group's promoter entity, Sterling Investments, which had secured \$2.6 billion in 2021 from alternative investment manager Ares Management and the hedge fund Farallon Capital with a tenor of 3.5 years."The group is looking to refinance its debt with fresh funding from Davidson Kempner and Cerberus Capital and partial financing from existing creditors Farallon and Ares who are willing to roll over a portion of their debt maturing by May,'



meet demand and their expansion plan in Karnataka and Maharashtra is on track. While Toyota is confident about its growth prospects in India, Asazuma said that the current concern for them is the rupee depreciation. He added that if they experience a rise in input cost, they will have to pass it to end consumers."While we are producing in India, there are some cars which we bring from Japan. This is where we are facing the impact," stated Asazuma as the rupee experienced a consistent depreciation in recent months. Asazuma also informed that TKM would be coming up with a new mobility service company for their used car division. Toyota, at present, has three outlets for used cars which they expect to double this year. Toyota Kirloskar Motor Executive Vice President & Country Head Vikram Gulati said that the company has a multi-pathway corridor ranging from battery electric to hydrogen, plugin hybrid and flex fuels to tackle the problem of carbon emission.

# Sebi bans finfluencers from using live stock prices, tightens crackdown on illegal advisories

MUMBAI. The markets regulator Sebi, which has been after the so-called financial influencers or finfluencers who are tricking the gullible public into investing in stocks they get paid to recommend, for long, has delivered a major blow to them by restricting their use of live-market data/prices in their what they call educational content. The key prohibitive measures include not allowing them to use real-time stock price data and using the names of the scripts they are talking up/down directly or indirectly by using code names. The regulator has warned of strict penalties including cancellation of their licence for rule violations. This move is expected to end the illegal advisory businesses that many finfluencers operate without Sebi registration. Sebi first restricted associations between registered and unregistered entities in an October 2024 circular, and the latest circular further tightens the rules. Under the new rules, which the Securities and Exchange Board announced in a circular last night, finfluencers can only use stock prices with a three-month lag, effectively preventing

them from offering real-time trading tips disguised as education. They are also banned from using the name of the stock directly or indirectly through employing a code."A person engaged solely in education shall mean that such person is not engaged in any of the two prohibited activities. Such person should not be using the market price data of the preceding three months to speak/talk/display the name of any security including using any code name of the security in his/her talk/speech, video, ticker, screen share etc indicating the future price, advice or recommendation related to security/securities," says the circular, adding these "regulations have come into force wth effect from August 29, 2024."The following are the key points in the latest circular: Finfluencers/self-styled stock market educators cannot use live stock prices they can use only data with a three-month lag; registered market entities cannot associate with finfluencers in any way that involves monetary or non-monetary compensation; investor education is allowed, but educators must not give investment advice or make performance claims without Sebi's approval; finfluencers cannot use stock names, codes, or price data from the past three



investment advice; and any entities found violating these rules risk penalties/suspension/cancellation of their Sebi licence."It is the responsibility of the persons regulated by Sebi to ensure that any person associated with them or their agent, directly or indirectly, does not engage in any of the above-mentioned two prohibited activities, directly or indirectly," the circular warned.

The mushrooming of so-called finfluencers on a slew of social media platforms has

blurred the lines between real financial education and investment advice on the sly, leaving the gullible public at risk as it has become too complicated to distinguish credible sources from

> misleading ones. However, with the latest move, which bans access to live data, many of these financial crooks are likely to find it difficult to retain subscribers and students. Sebi norms will be violated if any entity regulated by Sebi is indirectly associated with an entity engaging in the above-mentioned prohibited activities, the circular said, adding the restrictions will apply to

advertisements, branding and promotional materials sourced through third-party marketing agencies as well."Persons regulated by the Sebi and their agents have been advised through the October 22, 2024 circular to terminate their existing contracts, if any, with persons engaged in any of the abovementioned two prohibited activities, directly or indirectly, within three months from the date of issuance of that circular," Sebi said.

### Saturday, 01 February 2025

NEW DELHI. A lively discussion unfolds at a tea stall close to the Hanuman temple near Connaught Place around noon, drawing the attention of those within their hearing range.Unmindful of the gathering, mononymous Nirbhay and his friend Pramod Malhotra—both civil service aspirants—get on with debating the Delhi election animatedly. "Delhi na mange daru-jharu, Delhi mange vikas aur virasat, dear

chuckles from the now-attentive crowd.



face: "No, no! Modi ji ne Swachhata Abhiyan chalaya tha jharu hath me lekar. Delhi chahe more and more jharu."The chuckles turn into guffaws. So, who's winning? They are suddenly contrite. "Delhi will prefer commitment, not corruption!" The New Delhi constituency has over 1,00,382 voters, including 45,713 women. Former chief minister Arvind Kejriwal won thrice from here. So did one of his predecessors,

The BJP made it only once when Kirti Azad returned victorious over three decades ago. Kejriwal faces a stiff challenge from Pravesh Singh Verma, son of former CM Sahib Singh Verma, and Sandeep Dikshit, son of Sheila Dikshit. It's a no-holds-barred contest. The catch is that many middle-class voters remain undecided.Raghuvar Nirala, who runs an eatery on Mandir Road, sums up the mood: "The voters of our category, who constitute nearly 10.12% of voters, are still in a dilemma. We cannot overlook Kejriwal as he has left an impression on the voters, but the BJP's Verma has made the race

### on raid at Mann residence

NEW DELHI. In yet another confrontation between the AAP and the Election Commission, ruling party leaders, including Atishi, on Thursday claimed that poll panel officials and the Delhi Police raided Punjab Chief Minister Bhagwant Mann's residence in Kapurthala House. However, the New Delhi District Election Office clarified that actions were taken in response to cVIGIL Complaint ID 1282744 regarding alleged cash distribution at Kapurthala House, which falls under the jurisdiction of the

The AAP leaders called the raid the BJP's "vet another politically motivated move". They slammed the party for misusing agencies to target opposition leaders while ignoring blatant violations of the Model Code of Conduct by BJP

AAP supremo Arvind Kejriwal questioned the "selective targeting" of opposition leaders, highlighting that BJP leaders were distributing cash, blankets, sarees, shoes, jackets, shawls, and even gold chains ahead of the elections. "The Chief Minister of Punjab resides in Delhi at Kapurthala House, which is his official residence. It seems that a raid is being conducted on the Chief Minister of Punjab," Kejriwal told

Mann reacted to the development on 'X' and wrote, "Today, a team from the Election Commission, along with the Delhi Police, arrived at my residence, Kapurthala House, in Delhi to conduct a raid. In Delhi, BJP members are openly distributing money, yet neither the Delhi Police nor the Election Commission seems to notice anything. No action is being taken against this."He alleged that the Delhi Police and the EC were working under the BJP's influence to

### Capital cry: Delhi mange vikas aur virasat

samjha karo," observes Pramod. That elicits



Pat comes Nirbhay's counter, a smile creasing his the late Sheila Dixit of Congress.

# EC refutes AAP claim

New Delhi Assembly constituency.

reporters at a press meet.

malign the image of Punjab and its people.

# "Think He Passed Exams By Cheating": Congress Leader Jabs Arvind Kejriwal

Sandeep Dikshit said that being an engineer, Arvind Kejriwal is saying such "absurd" things that a student of class 5 or 6 would not say.

New Delhi. Taking a swipe at Aam Aadmi Party (AAP) National Convener Arvind Kejriwal on Friday, Congress candidate from the New Delhi assembly constituency Sandeep Dikshit said that being an engineer, he is saying such absurd things that a student of class 5 or 6 would not say.

As the battle for the February 5 assembly polls in Delhi intensified, the Congress leader alleged Arvind Kejriwal of lying."...He (Arvind Kejriwal) said that I have done so much work; I have just said that

whatever you say, say it with a record. Today, at 3 pm, it will be clear that either Congress or AAP is speaking the truth... Both BJP and AAP are distributing cash to get votes; I want to ask them if they are in politics or the market?" the Congress leader said."... Sometimes, I fail to understand



what Arvind Kejriwal studied at IIT. Being that a student of class 5 or 6 would not say. What had he done? I think he passed his exams by cheating... I'll suggest he should go through his engineering books--he will come to know how much he lies," added Mr

Meanwhile, Arvind Kejriwal visited the Election Commission today and claimed that if AAP had not protested, one crore Delhi residents would have been deprived of water. He alleged bias, stating that instead of acting against Haryana Chief Minister Nayab Saini, the ECI is targeting him. He further said, "Whatever punishment

is given to me, I will accept it. We have not taken time from the Election Commission; if we meet them, then it is fine; otherwise, we will come to the gate and give our answer and water bottle to the three commissioners.'

an engineer, he is saying such absurd things "If we had not protested and raised a hue and cry, one crore people of Delhi would have stopped getting water... ECI has sent me a notice asking why no action is taken. I saved Delhi from a waterer crisis and I am being threatened with punishment... Instead of

filing an FIR and taking action against Nayab Saini, the Election Commission is after me... Neighbouring states of election states can influence elections by stopping water... Money, sarees, shoes and jackets are being openly distributed in Delhi, but the Election Commission is silent. ECI does not show the courage to take action against BJP today," he said.Sandeep Dikshit is up against AAP's Arvind Kejriwal and BJP's Parvesh Verma in the New Delhi constituency for the upcoming February 5

Delhi will go for polls in a single phase on February 5, while the counting of votes will take place on February 8.The Congress, which was in power for 15 consecutive years in Delhi, has suffered setbacks in the past few assembly elections. In contrast, the AAP dominated the 2020 assembly elections by winning 62 out of 70 seats, while the BJP got only eight seats.

### PM condoles deaths in Washington plane crash: We stand in solidarity with US

New Delhi. Prime Minister Narendra Modi on Friday said he was "deeply saddened" over the loss of lives in a midair collision between an American Airlines plane and a US Army helicopter in Washington DC. He said India stood in solidarity with the people of the US.All 67 people - 64 aboard the American Airlines plane - that collided with a Black Hawk helicopter, carrying three US Army personnel, were feared dead in what could be the worst US aviation disaster in almost a quartercentury."Deeply saddened by the loss of lives in the tragic collision in Washington DC. Our heartfelt condolences to the families of the victims. We stand in solidarity with the people of the United States," PM Modi tweeted and tagged US President Donald Trump in

The midair collision occurred when the American Airlines flight (Flight 5342) coming from Wichita, Kansas, was approaching the runway of Ronald Reagan Washington National Airport. The flight collided with the chopper engaged in a training exercise and both the aircraft plunged into the Potomac River bordering the airport.

Emergency personnel found the body of the plane upside down in three sections in the river and the wreckage of the helicopter. The crash occurred in some of the most tightly controlled and monitored airspace in the world, just around five kilometres south of the White House and the Capitol.Officials were yet to ascertain the reason behind the collision. Investigators from the National Transportation Safety Board (NTSB) and the Federal Aviation Administration (FAA) were investigating the circumstances that led to the tragedy.

### India Tops Global List In **Passenger Loads On Domestic Flights: Report**

New Delhi. India's domestic flights have recorded a passenger load factor of 86.4 per cent in 2024, to forge ahead of the US and China which figure at the second and third spot respectively, according to the latest report of the International Air Transport Association (IATA). India's fast-growing aviation sector has carried 16.3 crore passengers on domestic flights during 2024, according to figures compiled by the country's Directorate General of Civil Aviation (DGCA).

India achieved a passenger load factor of 86.4 per cent, the highest among all domestic markets, the IATA report states. The corresponding figure for the US was 84.1 per cent and China (83.2 per cent). Brazil with a passenger load factor of 81.9 per cent was placed at the 4th rank followed closely by Australia (81.8 per cent) and Japan (78 per cent). Globally both domestic and international full-year demand reached record highs for passenger numbers and load factors.

The international full-year traffic in 2024 increased 13.6 per cent compared to 2023, and capacity rose 12.8 per cent. The total full-year traffic in 2024 (measured in revenue passenger kilometers or RPKs) rose 10.4 per cent compared to 2023.

This was 3.8 per cent above pre-pandemic (2019) levels. Total capacity, measured in available seat kilometers (ASK), was up 8.7 per cent in 2024. The overall load factor reached 83.5 per cent, a record for full-year traffic, according to the IATA report.

It also points out that December 2024 was a strong finish to the year with overall demand rising 8.6 per cent yearon-year, and capacity grew by 5.6 per cent. International demand rose by 10.6 per cent and domestic demand by 5.5 per cent. The December load factor reached 84 per cent, which is a record for the month."2024 made it absolutely clear that people want to travel. With 10.4 per cent demand growth, travel reached record numbers domestically and internationally. Airlines met that strong demand with record efficiency.

"On average, 83.5 per cent of all seats on offer were filled - a new record high, partially attributable to the supply chain constraints that limited capacity growth."Aviation growth reverberates across societies and economies at all levels through jobs, market development, trade, innovation, exploration, and much more," said Willie Walsh, IATA's Director General.

'Looking to 2025, there is every indication that demand for travel will continue to grow, albeit at a moderated pace of 8.0 per cent that is more aligned with historical averages."The desire to partake in the freedom that flying makes possible brings some challenges into sharp focus," he observed.

### Delhi HC sets aside Rs 2.5 crore bail condition for Rau's CEO

**NEW DELHI.** The Delhi High Court on Thursday set aside the Rs 2.5 crore financial condition imposed on Abhishek Gupta, CEO of Rau's IAS Study Circle, while granting him interim bail. The case pertains to the tragic deaths of three UPSC aspirants in the basement of the coaching institute in Old Rajinder Nagar in July 2024. Justice Vikas Mahajan ruled in favour of Gupta, directing the trial court to reconsider his bail plea purely on its merits. The hearing on his interim bail is scheduled for Friday before the Rouse Avenue court.

Earlier, the trial court had granted Gupta interim bail on September 23, 2024, but imposed a condition requiring him to



deposit Rs 2.5 crore with the Red Cross. This financial obligation was later stayed by the High Court. Its latest order comes after the Supreme Court had already set aside a similar condition requiring co-accused individuals to deposit Rs 5 crore. These co-owners of the basement were granted regular bail by the Delhi High Court on

Senior counsel Jayant Sood, appearing for Gupta, argued that since the Supreme Court had stayed such financial conditions and four coaccused had already secured regular bail, his client should not be subjected to a harsher standard. The trial court had earlier extended interim bail for the accused while awaiting further

consideration on January 31. On December 7, 2024, Gupta's counsel had informed the trial court that the financial condition was under

### Rakesh Sharma Wore Space Patch With India Flag In 1981. Now, Comes Another

New Delhi. Group Captain Shubhanshu Shukla will become the second Indian to travel to space, four decades after Wing Commander Rakesh Sharma's historic feat in 1984. Mr Shukla, a serving officer in the Indian Air Force (IAF), will pilot the Axiom 4 (Ax-4), a private space

mission that will launch aboard a SpaceX Dragon spacecraft this year from NASA's Kennedy Space Center in Florida.

But the Sharma-Shukla parallel does not end there.

Group Captain Shukla's selection for Ax-4 comes through the Indian Space Research Organisation (ISRO), which identified him as a key astronaut for India's upcoming

Gaganyaan mission. ISRO has collaborated with NASA and Axiom Space for this mission. As part of Ax-4, Mr Shukla will serve as the mission's pilot alongside three other astronauts: Peggy Whitson, a former NASA astronaut and mission commander, Slawosz Uznanski-Wisniewski from Poland, and Tibor Kapu from Hungary.

Ahead of the mission, Axiom released the 'space patch' which will feature on the astronauts' space suits. The Ax-4 patch has four ascending lines, each representing a flag of the countries



whose astronauts are part of the mission. The patch is divided into three sections, symbolising three stars represent the seven continents. This mission will not only mark the first time an ISRO astronaut has reached the ISS but will also be a landmark event for Poland and Hungary, whose astronauts will be making their first visits to the space

"I am really excited to go into microgravity and experience space flight on my own. The tempo for the

mission has been building up each month. I think we are at a stage wherein all the pieces are kind of coming together. I'm extremely excited to see how this unfolds in the coming months and for the actual space flight as well," Group Captain Shukla told .Axiom Space has been steadily expanding its private astronaut missions to the ISS since its first mission, Axiom Mission 1 (Ax-1), in April

That mission saw a fourmember private crew spend 17 days aboard the orbiting laboratory.

continents working together. Seven Ax-2 followed in May 2023, led by Peggy Whitson, the same commander for Ax-4. That mission lasted eight days in orbit.

# Poor Thing": Row Over Sonia Gandhi's Remarks On President's Speech

President Murmu addressed a joint sitting of the Parliament this morning to mark the beginning of the Budget Session.

New Delhi. The Budget Session began with a fresh controversy this morning after Congress MP Sonia Gandhi called President Droupadi Murmu a "poor thing" while commenting on her address to the Parliament. The phrase followed Mrs Gandhi's concern that the 66-yearold looked exhausted after her long customary speech, with the BJP snubbing it as a "derogatory comment". President Murmu addressed a joint sitting of the Parliament this morning to mark the beginning of the Budget Session.After her customary speech, Mrs Gandhi - a senior politician who once served as Congress chief - was asked reporters asked her for her comment outside the Parliament."The President was getting very tired by the end. She could hardly speak, poor thing," Mrs Gandhi replied, flanked by her children Rahul Gandhi and Priyanka Gandhi Vadra, both MPs."Boring? No comments? Repeating



the same thing again and again?" Rahul Gandhi could be heard helping his mother with her comments. The BJP attacked the Gandhis over the "derogatory" remark on Ms Murmu and said the Congress's feudal mindset can't digest the fact that an Adivasi lady had become the President of the country."It was a derogatory comment. Leaders like Sonia Gandhi and Rahul Gandhi should not pass such

comments, especially on the President. Droupadi Murmu belongs to an Adivasi family and now she is the number one citizen of our country and that is not accepted by the Congress's zamindaari mindset. That's why they are opposing her speech," said BJP MP Sukanta Majumdar. The Congress is yet to comment on the BJP's charges. The BJP has accused the Congress of being feudal

a hanky near her nose due to foul smells. He hinted at her being an elitist while calling it the "fragrance of humanity". President Murmu, during her address earlier in the day, said the government has worked towards lifting the economy out of "policy paralysis" despite challenges like the Covid-19 pandemic and global conflicts. She also said that the third term of the Modi government is seeing work being done at thrice the pace of previous regimes. The President

several times in the past, with Prime

Minister Narendra Modi even recalling

an image of Indira Gandhi from her

Gujarat visit, which showed her holding

praised the government's efforts in the aviation and railway sectors and said it is working towards modernisation in the agriculture sector and aims to make it selfreliant.She also shared concerns over digital fraud and cybercrime that pose challenges to national security.

### Israel says it struck 'multiple' Hezbollah targets in Lebanon's Bekaa Valley

JERUSALEM. Israel's military said Friday it struck "multiple" Hezbollah targets in Lebanon's Bekaa Valley, two months into a fragile ceasefire with the Lebanese group after major hostilities last year.

'The targets that were struck include a Hezbollah terrorist site containing underground infrastructure, used to develop and manufacture weaponry and additional terrorist infrastructure sites on the Syrian-Lebanese border used by Hezbollah to smuggle weaponry into Lebanon," the military said in a statement.It said the overnight strikes were aimed at targets that "posed a threat" to Israel and Israeli troops.On Thursday, the military said it intercepted a Hezbollah "surveillance" drone approaching İsraeli territory, which it said "represents a breach of the ceasefire understandings between Israel and Lebanon"."The (army) continues to remain committed to the ceasefire understandings between Israel and Lebanon, and will not permit any terrorist activity of this kind," it said.

The Israeli army missed a January 26 deadline to complete its withdrawal from Lebanon. It now has until February 18.Israel had made clear it had no intention of meeting the deadline, charging that the Lebanese army had not fulfilled its side of the bargain.Under the terms of the ceasefire, the Lebanese army is to deploy in the south as Hezbollah pulls its forces back north of the Litani River, some 30 kilometres (20 miles) from the border.

The Iran-backed militant group is also required to dismantle any remaining military infrastructure it has in the south.

### Find another sucker: Trump warns BRICS nations, says '100 per cent tariff if they move away from US dollar

World US President Donald Trump fired another stern warning to the BRICS bloc, which includes India, threatening to impose 100% tariffs if the group attempts to replace the US dollar with an alternative currency. In a post on his social media platform, Truth Social, Trump wrote on Friday: "The idea that the BRICS countries are trying to move away from the dollar, while we stand by and watch, is OVER."

He said, "We are going to require a commitment from these seemingly hostile countries that they will neither create a new BRICS currency nor back any other currency to replace the mighty US dollar. If they do, they will face 100% tariffs and should expect to say goodbye to selling into the wonderful US economy."Trump added,"They can go find another sucker nation. There is no chance that BRICS will



replace the US dollar in international trade-or anywhere else. Any country that tries should say hello to tariffs and goodbye to America!"

Trump has repeatedly voiced his opposition to dedollarisation, cautioning that BRICS nations should uphold the US dollar's dominance in global trade to avoid potential economic repercussions.

The BRICS bloc, which comprises Brazil, Russia, India, China, South Africa, as well as Egypt, Ethiopia, Indonesia, Iran, and the United Arab Emirates, has been discussing alternatives to the US dollar for international trade. In particular Russia and China, have been seeking an alternative to the US Dollar or creating their own BRICS currency.

### US Senators push to reverse autorenewal of work permits back to 180 days

WASHINGTON. Two influential Republican Senators have introduced a resolution to reverse a Biden-era rule that increased the period for renewing work permits from 180 to 540 days. The automatic extension of the Employment Authorisation Document (EAD) from 180 days to 540 days was of great help to the spouses of H-1B visa holders, a significant number of whom were from India. The rule finalised by the Department of Homeland Security on January 13 applies broadly to immigrants, refugees, green card holders, spouses of H-1B visa holders and more.Introduced on Thursday jointly by Senators John Kennedy and Rick Scott, the resolution seeks disapproval under Congressional Review Act (CRA) procedures for the Biden administration's rule that automatically extended the renewal period for an immigrant EAD to almost a year-and-a-half before officials could review those permits.

The Biden administration's dangerous rule automatically extended work permits for immigrants to 540 days.iving immigrants more time to avoid reporting to US officials hampers the Trump administration's efforts to enforce our immigration laws and keep Americans safe, said Kennedy.In a statement, Scott alleged that the Biden-Harris administration worked for four years straight to dismantle America's immigration system and open the southern border, allowing millions of illegal aliens to come across the border unvetted and unchecked.

Then, in a last-minute move, former President Biden passed a ridiculous rule that allows illegal aliens to keep jobs in the United States for over a year without authorisation. That's insane, and it undermines President Trump's mandate and efforts to secure the border and put Americans' interests first," Scott said.

# How did so many Thai farmers end up held hostage by Hamas

Thais remain the largest group of foreign agricultural laborers in Israel today, earning considerably more than they can at home.

**BANGKOK.** Five Thai nationals held hostage by Hamas since its Oct. 7, 2023, attack on Israel were released Thursday.

They were among 31 Thais taken by the militant group, of whom 23 have already been released. Another two have been confirmed dead, and the status of one remaining person is not clear. According to Thailand's Ministry of Foreign Affairs, 46 Thais have been killed during the conflict, including the two who died in Hamas captivity. They were among tens of thousands of Thai workers in Israel. Here's a look at what they were doing there.

Why are there so many Thais in Israel?

Israel once relied heavily on Palestinian workers, but it started bringing in large numbers of migrant workers after the 1987-93 Palestinian revolt known as the first Intifada.Most came from Thailand, and Thais remain the largest group of foreign agricultural laborers in Israel today, earning considerably more than they can at home. Thailand and Israel implemented a bilateral agreement a decade ago to ease the way for workers in the agriculture sector. Israel has come

under criticism for the conditions under which the Thai farm laborers work. In a 2015 report, Human Rights Watch said they often were housed in makeshift and inadequate accommodations and "were paid salaries significantly below the legal minimum wage, forced to work long hours in excess of the legal maximum, subjected



to unsafe working conditions and denied their right to change employers."A watchdog group found more recently that most were still paid below the legal minimum wage. How many Thais work in Israel?There were about 30,000 Thai workers, primarily working on farms, in Israel prior to the Oct. 7 attack by Hamas.In the wake of the attack, some 7,000 returned

home, primarily on government evacuation flights, but higher wages have continued to attract new arrivals. Thai ambassador to Israel Pannabha Chandraramya said Thursday that there are now more than 38,000 Thai workers in the country.

What happened after they left?

Faced with a labor shortage in the wake of the exodus after the Hamas attack, Israel's Agriculture Ministry announced incentives to try and attract foreign workers back to evacuated areas. Among other things, it offered to extend work visas and to pay bonuses of about \$500 a month. Thailand's Labor Ministry granted 3,966 Thai workers

permission to work in Israel in 2024, keeping Israel in the top four destinations for Thais working abroad last year.

Thai migrant workers generally come from poorer regions of the country, especially the northeast, and even before the bonuses the jobs in Israel paid many times what they

### No happiness': Misery for Myanmar exiles four years on from coup

SAMUT SAKHON.Four years after Myanmar's military seized power in a coup, the country is in the grip of a bloody civil war that has driven many of the country's young across the border to Thailand. There they scrape by doing hard jobs for little pay -- often living in fear of being arrested and sent back to Myanmar.AFP met three of them in Mahachai, a district of Samut Sakhon in Bangkok's western suburbs known as "Little Myanmar" for its population of migrant workers.

They told of their experiences and hopes and fears for the future -- speaking under pseudonyms for their own safety and that of their families back in Myanmar.

Ma Phyu: 'I lost all my dreams'

'After the coup, I lost all my dreams," Ma Phyu told AFP.Before the military seized power, the 28-year-old was teaching young children while studying at university in Yangon with the aim of qualifying as a teacher.

After the February 1, 2021 coup, which ousted the elected civilian government of Aung San Suu Kyi, the generals launched a bloody campaign of violent repression against dissent.Resistance has been fierce, led in large part by young people who grew up during Myanmar's 10-year dalliance with democracy.

Like thousands of others, Ma Phyu chose to flee Myanmar rather than live under



the junta, and now cannot return for fear of retribution from the authorities. Thailand is home to the world's largest Myanmar diaspora -- 2.3 million registered workers, plus another 1.8 million unofficial migrants, according to the UN migration agency IOM.Lacking Thai language skills, Myanmar migrants in Thailand are forced into difficult and dirty jobs including construction, food and farm work -- often being paid below minimum wage.Ma Phyu now works from 5:30 pm to 3:00 am in a fish processing plant, six days a week, regularly scolded by her supervisors for not understanding instructions in Thai.Her husband arrived from Myanmar last year and the couple now live in a single-room apartment in Mahachai."I can't stand the smell of fish any more. I feel disgusted at work and it's the same at home. Nothing changes, I don't want to live any more," Ma Phyu said."My previous life was full of happiness. If there had been no coup, there would have been a good life for me."Lwin Lwin: 'There is no happiness'In a shabby room in a rundown building in Mahachai, Lwin Lwin practises Japanese grammar with five other Myanmar migrants. The 21year-old, who fled Myanmar without finishing high school, hopes learning the language will give her a way out of a tough existence in Thailand."The coup turned my life upside down. I thought I would finish school, go to university and work for the government," she told AFP.

### Investigators recover plane black boxes from Washington air collision

WASHINGTON: Investigators on Thursday recovered the black boxes from a passenger plane whose mid-air collision with a military helicopter over Washington's Potomac River killed 67 people, as rescuers pulled victims' bodies from the freezing water.

JS President Donald Trump launched a political attack blaming diversity and inclusion policies championed by his Democratic predecessors for causing the incident. Trump's politicization of the tragedy came as the National Transportation Safety Board (NTSB) said it had recovered the cockpit voice recorder and flight data recorder from the Bombardier jet operated by an American Airlines subsidiary that smashed into an Army Black Hawk helicopter late Wednesday.

The recorders are at the NTSB labs for evaluation," the agency said in a statement to AFP. According to a New York Times report, staffing was thin in the control tower at Reagan National Airport, where the airliner was about to land when the collision occurred.

One controller, rather than the usual two, was handling both plane and helicopter traffic, the Times quoted a preliminary Federal Aviation Administration report as saying.A fireball erupted in the night sky and both aircraft tumbled into the icy Potomac, leaving rescue crews with the grim, difficult task of searching for bodies in the dark and cold. Over 40 bodies had been



### After initial ecstasy of freedom, released Israeli hostages face long road to recovery

TEL AVIV. When Ilana Gritzewsky returned to Israel after being held captive in Gaza for 55 days in November 2023, she had so much adrenaline coursing through her body she couldn't sleep for two days.

'You don't understand that it's really over," Gritzewsky recalled. "You don't know who you are or even what your name is." A ceasefire between Israel and Hamas is underway and hostages are being released in stages. But after the initial jubilation of being freed, the released captives — who have been held for more than 15 months — are likely to endure a trying reentry, based on the testimony of those who were held hostage themselves. Gritzewsky, 31, who is originally from Mexico, was kidnapped with her boyfriend from Kibbutz Nir Oz on Oct. 7, 2023, when Hamas militants burst across the border, killing around 1,200 people, and kidnapping around 250 people, in an attack that sparked the war in Gaza. Gritzewsky was released after 55 days during the only previous ceasefire deal

a year ago. More than a year later, Gritzewsky still has lingering health issues. She hasn't gained back all of the weight that she lost, she's prediabetic, and has lingering pain issues from the kidnapping, when her pelvis and iaw were broken and her leg was burned from the motorcycle exhaust. She suffered hearing loss in one ear.

"I'm still not able to really take care of

myself," she said. "I don't think my brain has really grasped everything I've gone through."She's acknowledges she has neglected her own recovery as she advocates tirelessly for her boyfriend's release. Fifteen hostages have been released from Gaza, in exchange for hundreds of Palestinian prisoners and detainees, as the current ceasefire for the that has devastated Gaza moves into its second full week. More than 47,000 Palestinians have been killed in Gaza and wide swaths of the territory have been destroyed. Hamas is expected to release small groups weekly throughout the

ceasefire's initial six-week phase. There are approximately 80 hostages left in Gaza, almost half of whom Israel believes to be deadThe joy of a warm embrace, and a new reality sets in When Gritzewsky was freed, she was able to do what she had dreamed of during her captivity: hug her mother and see her

recovered as of Thursday evening, according to US media reports. Trump politicizes crash Trump, who took office 10 days ago, turned a press conference on the disaster into a platform for his crusade against diversity, equity and inclusion or DEI -- a series of often decades-old measures meant to combat racism and sexism across the United States. Accusing his Democratic predecessors Joe Biden and Barack Obama of having kept good employees out of the aviation agency in pursuit of DEI, he claimed: "They actually came out with a directive: 'too white.' And we want the people that are competent."The passenger plane was carrying 64 people and the Black Hawk had three aboard. The collision -- the first major crash in the United States since 2009 when 49 people were killed near Buffalo, New York -- occurred as American Eagle Flight 5342 from Wichita, Kansas came in to land.Reagan National is a major airport located a short distance from downtown Washington, the White House and the Pentagon.

# Five years after Britain left the EU, full impact is still emerging

LONDON. Five years ago Friday, two crowds of people gathered near Britain's Parliament — some with Union Jacks and cheers, others European Union flags and tears.On Jan. 31, 2020 at 11 p.m. London time - midnight at EU headquarters in Brussels — the U.K. officially left the bloc after almost five decades of membership that had brought free movement and free trade between Britain and 27 other European countries. For Brexit supporters, the U.K. was now a sovereign nation in charge of its own destiny. For opponents, it was an isolated and diminished country.

t was, inarguably, a divided nation that had taken a leap into the dark. Five years on, people and businesses are still wrestling with the economic, social and cultural aftershocks."The impact has been really quite profound," said political scientist Anand Menon, who heads the think-tank U.K. in a Changing Europe. "It's changed our economy."And our politics has been changed quite fundamentally as well," he added. "We've seen a new division around Brexit becoming part of electoral politics." A decision that split the nationAn island nation with a robust sense of its historical

importance, Britain had long been an

uneasy member of the EU when it held a referendum in June 2016 on whether to remain or leave. Decades of deindustrialization, followed by years of public spending cuts and high immigration, made fertile ground for the argument that Brexit would let the U.K. "take back control" of its borders, laws and economy. Yet the result — 52% to 48% in favor of leaving — came as a shock to many. Neither the Conservative government, which campaigned to stay in the EU, nor pro-Brexit campaigners had planned for the messy details of the split.

The referendum was followed by years of wrangling over divorce terms between a wounded EU and a fractious U.K. that caused gridlock in Parliament and ultimately defeated Prime Minister Theresa May. She resigned in 2019 and was replaced by Boris Johnson, who vowed to "get Brexit done."

It wasn't so simple. A blow to the British economy

The U.K. left without agreement on its future economic relationship with the EU, which accounted for half the country's trade. The political departure was followed by 11



months of testy negotiations on divorce terms, culminating in agreement on Christmas Eve in 2020. The bare-bones trade deal saw the U.K. leave the bloc's single market and customs union. It meant goods could move without tariffs or quotas, but brought new red tape, costs and delays for trading businesses."It has cost us money. We are definitely slower and it's more expensive. But we've survived," said Lars Andersen, whose London-based company, My Nametags, ships brightly colored labels for kids' clothes and school supplies to more than 150 countries. To keep trading with the EU, Andersen has had to set up a base in Ireland, through which all orders destined for EU countries must pass

before being sent on. He says the hassle has been worth it, but some other small businesses he knows have stopped trading with the EU or moved manufacturing out of the U.K.Julianne Ponan, founder and CEO of allergenfree food producer Creative Nature, had a growing export business to EU countries that was devastated by Brexit. Since then she has successfully turned to markets in the Middle East and Australia, something she says has been a

positive outcome of leaving the EU. Having mastered the new red tape, she is now gradually building up business with Europe again."But we've lost four years of growth there," she said. "And that's the sad part. We would be a lot further ahead in our iourney if Brexit hadn't happened."The government's Office for Budget Responsibility forecasts that U.K. exports and imports will both be around 15% lower in the long run than if the U.K. had remained in the EU, and economic productivity 4% less than it otherwise would have been.Brexit supporters argue that short-term pain will be offset by Britain's new freedom to strike trade deals around the world. Since Brexit. the U.K.

### **NEWS BOX**

### SL vs AUS: Mitchell Starc goes past Dale Steyn, joins exclusive 700-Test club

New Delhi Australia fast bowler Mitchell Starc surpassed South Africa pacer Dale Steyn in the list of most international wickets. Starc, with the wicket of Dimuth Karunaratne on Thursday, January 30, in the 1st Test match of the series against Sri Lanka, entered

Starc became only the fourth bowler in Australia's history to take 700 wickets in international cricket (ODIs + Tests + T20Is). The pacer joined Shane Warne, Glenn McGrath, and Brett Lee in the list. Only a handful of fast bowlers in the entire world have been able to achieve this incredible feat. England's James Anderson and Stuart Broad, Pakistan's Wasim Akram and Waqar Younis, South Africa's Shaun Pollock, New Zealand's Tim Southee, Sri Lanka's Chaminda Vaas, and West Indies' Courtney Walsh are the only non-Australians in the list of pacers to have achieved this feat.

Starc has been in sensational form in recent times. In the recently concluded Border-Gavaskar Trophy, the pacer picked up 18 wickets from 5 Tests, helping captain Pat Cummins bag a sensational 4-1 win over India in the series. Starc has spoken about his love for Test cricket before. Back in 2022, he had spoken about extending his red-ball career in international cricket.



"It's certainly impossible at the moment to play every game as a three-format player," Starc was quoted as saying by Cricket Australia back in 2022."Having (the IPL period) to rest might help me keep bowling at decent speeds for a period of time," he had added.

However, after making that statement, Starc did play in the Indian Premier League 2024 to prepare for the T20 World Cup 2024, and signed up for the auction in 2025 as well, where he was picked up by Delhi Capitals.
The pacer has won the T20 World Cup 2021,

ODI World Cup 2023, and the World Test Championship 2023. Stare has also helped Australia qualify for the WTC Final 2025 by beating their toughest opponents—the Indian team. The fast bowler has two ICC tournaments lined up for him in the next six months. He will play in the Champions Trophy and then in the World Test Championship Final.

### Pedri extends contract with FC Barcelona till 2030

New Delhi Barcelona midfielder Pedri extended his contract till 2030 with the Spanish club on Thursday, January 30. The 22-year-old player, who is currently one of the mainstays for both his club and country, out his signature on the new contract midway through the season.

Pedri is the second big-name player who extended his contract with Barcelona in recent days. Earlier on January 24, Uruguayan centre-back Ronald Araujo put an end to ongoing transfer speculation by signing a six-year contract extension with La Liga giants. The Canary Islander made his long-awaited arrival at Barcelona nearly five years ago, following a season on loan at Las Palmas after signing for the club in 2019. He returned to Barça in the summer of 2020, and from day one, it was clear he was a special talent. At just 17 years old, he secured a spot in midfield and has since become a key fixture in the team at 22. While Pedri is still young, his present form is nothing short of exceptional. This season, he's not only maintained his high level of play but also gained regular playing time, thanks to a long



injury-free period. This has helped establish him as one of the world's best midfielders. The Canary Islander has become a central figure in a team known for its fast, intense style of play, often taking risks, knowing he'll deliver when the ball is at his feet. Ensuring his future at the club has been a top priority—for both the team and Pedri himself. Growing up in the Canary Islands, he was a huge fan of Barça's style, and now he's living his dream. And it's a dream that looks set to continue for at least another five years.z had troubles with his injuries. The midfielder was injured during Spain's quarter-final against Germany in Euro 2024. In that game, German midfielder Toni Kroos lunged into Pedri, knocking out the player with his knee. Pedri, having been struck on his shin, fell down and was not able to continue past the 8-minute mark.

# Premier League: FA charge Arsenal over Myles Lewis-Skelly red card reaction

Arsenal were charged for failing to manage their players, who surrounded referee Michale Oliver after Myles Lewis-Skelly was controversially sent off in a 1-0 win against **Wolverhampton Wanderers** on Saturday.

New Delhi The Football Association (FA) have charged Arsenal with failing to control their players after they reacted angrily to Myles Lewis-Skelly's erroneously displayed red card against Wolves in the Premier League on Saturday. According to the FA, Arsenal players "surrounded" referee Michael Oliver and acted "in an improper



manner."Arsenal have until February 3 to respond. Lewis-Skelly was sent off for what Oliver and the VAR deemed major foul play after a poorly timed tackle on Wolves' defender Matt Doherty. The charge comes just days after the FA overturned Lewis-Skelly's three-match sentence after an appeal from Arsenal. This is the third time this season that a player has won an appeal against a red card in the Premier League, despite VAR being used as a safety net. The Football Association (FA) have charged Arsenal with failing to control their players after they reacted angrily to Myles Lewis-Skelly's erroneously displayed red card against Wolves in the Premier League on Saturday. According to the FA, Arsenal players "surrounded" referee Michael Oliver and acted "in an improper manner." Arsenal have until February 3 to respond. Lewis-Skelly was sent off for what Oliver and the VAR deemed major foul play after a poorly

Doherty.The charge comes just days after the FA overturned Lewis-Skelly's threematch sentence after an appeal from Arsenal. This is the third time this season that a player has won an appeal against a red card in the Premier League, despite VAR being used as a safety net."We're always putting a lot of emphasis on evolving, on where football is going in the next five, 10 years, on the rules, and all that sort of thing. But one of the most important things we can do to evolve is create an environment that's much better at a social level, one that's healthier, that's nicer, in which we reward things that are not only winning, that when people make mistakes they have the chance to make amends."We shouldn't be here with this hatred, these things we see, because they affect everyone and in the end, they take away the joy of this sport, the reason for it which is to enjoy ourselves, have good moments. We are all talking about it, but no one seems to be moving strongly enough and bringing people with them to get that out of the game, because it's just unacceptable."

Arsenal won the game 1-0, putting them six points behind Premier League leaders

### Ed Sheeran catches up with England Cricket Team on opening night of his India tour

New Delhi British singer Ed Sheeran caught up with the England Cricket Team on the opening night of his India tour in Pune on Thursday, January 30. Sheeran is in the country for his 'Mathematics' tour which kicked-started in Pune as he mesmerised his Indian fans with a soulful performance. The 'Shape of You' singer also invited the England Cricket Team to his show, who were in the city for the fourth T20I of the ongoing five-match series against India. Ed Sheeran held a special meet-up backstage with the entire England squad and the backroom staff. He was also presented with England captain Jos Buttler's jersey signed by the entire squad. In return, the pop star gave a jersey of the football club Ipswich Town to the England skipper.England cricket shared glimpses of their meet-up on their X handle, calling it a 'perfect' evening for their players and staff.A 'Perfect' evening! Thank you to @edsheeran for inviting our squad and backroom staff to the opening night of his India tour in Pune. After catching up backstage, Ed and @josbuttler swapped

shirts - with Jos now the proud owner of a signed @IpswichTown top," wrote England Cricket on their X account.



India lead the 5-match series by 2-1

Meanwhile, India are leading the five-match T20I series by 2-1, ahead of the fourth T20I scheduled to be played on Friday, January 31 at Maharashtra Cricket Association Stadium, Pune. The Men in Blue won the first two matches of the rubber in Kolkata and Chennai. However, England made a As a result, England won the game by 26 runs remarkable comeback by winning the third

game held in Rajkot. The Three Lions batted first and posted a score of 171/9 in 20 overs, led by a half century from Ben Duckett (51

off 28). India wrist spinner Varun Chakravarthy (5/24) picked up his second five wicket haul as England batters continued to struggle against his variations. In reply, India's chase never got going as they kept on losing wickets at regular intervals and could only reach 145/9 in their 20 overs. As a result, England won the game by 26 runs and managed to register their firstThe Three Lions batted first and posted a score of 171/9 in 20 overs, led by a half century from Ben Duckett (51 off 28). India wrist spinner Varun Chakravarthy (5/24)

picked up his second five wicket haul as England batters continued to struggle against his variations. In reply, India's chase never got going as they kept on losing wickets at regular intervals and could only reach 145/9 in their 20 overs.

and managed to register their first

### Virat Kohli's doppelganger attends his Ranji Trophy return against Railways in Delhi

c Star India batter Virat Kohli's doppelganger was spotted attending his comeback game in the Ranji Trophy 2024-25 amongst his several fans at the Arun Jaitley Stadium in Delhi. Kohli marked his comeback to India's premier domestic first class competition after over 12 years as he featured in Delhi's seventh round match of the tournament against Railways. As the India star returned to play in his hometown, a massive crowd gathered outside the stadium to get a chance to watch the local boy play. People from all age groups thronged to the venue with school children, working professionals and local shop owners all in attendance to cheer for Kohli.Among Kohli's several fans, one particular guy caught everyone's attention for his uncanny



resemblance to the batting stalwart. The fan was seen sporting a full-fledged beard like the former India captain and was also wearing similar shades as Kohli. His presence outside the venue sparked a strong reaction from other fans who came rushing in to click photographs with Kohli's look-alike.

Kohli gets a rousing reception on Day 1

warm welcome at his home ground as fans began queuing up outside the stadium as early as 4 am to watch their favourite star. As the starting time of the match approached, fans began growing in numbers with chants of 'Kohli-Kohli' being heard all around the venue. The massive influx of the crowd also created a ruckus at the entry gate as constant stadium, led to a stampede-like situation where a few people also got injured. However, the situation was brought under control by the security personnel quickly. As the fans filled the stands of the stadium, they began chanting for Kohli at the top of their voices, who also played around with the crowd with his fun gestures. A fan even breached the security and rushed to the pitch to touch Kohli's feet before being taken away by the ground security. Meanwhile, after not being able to watch Kohli bat on Day 1 after Delhi captain Ayush

## IND vs ENG 4th T201 Predicted 11: Will Rinku Singh, Arshdeep Singh return in Pune

New Delhi Team India will look to seal the series before the final game in Mumbai on February 2, when they take on a resurgent England in the fourth T20 International on Friday. After victories in Kolkata and Chennai, Suryakumar Yadav's side stumbled in the third T20I in Rajkot, handing England a chance to claw back at 2-1.

The series was expected to be a highscoring contest, yet bowlers have stolen the spotlight with contrasting performances. With another crucial game in Pune, India are likely to make key changes to their playing XI. India assistant

coach Ryan ten Doeschate confirmed that Rinku Singh, who missed the second and third matches due to back spasms, is fit and available for selection. His return could mean Dhruv Jurel sits out, and India might also consider an additional seam-bowling all-rounder like Shivam Dube or



Ramandeep Singh in place of Washington Sundar."Rinku is fit. He played the first game, hurt himself and missed the next two. But I would imagine Rinku comes back in as soon as he's proper fit. He batted the other night and I think he'll be ready to go tomorrow," Ten Doeschate said during the pre-match press conference.

After resting Arshdeep Singh in the Earlier on Day 1 of the match, Kohli received a third T20I, India are likely to bring him back for the Pune clash. Arshdeep, who won the ICC Men's T20I Player of the Year, has a knack for striking early in the powerplay, making him a valuable asset in India's bid to clinch the series. England did not train on the eve of the match, but they could make a few alterations. Jamie Smith, who walked off in the third T20I with a calf issue, might be replaced by Jacob Bethell. The visitors could also consider rotating their pace attack, giving either Mark Wood

or Jofra Archer a rest in favour of Saqib Mahmood.IND vs ENG Predicted XI

India: Abhishek Sharma, Sanju Samson (wk), Suryakumar Yadav (captain), Tilak Varma, Hardik Pandya, Rinku Singh, Axar Patel, Ravi Bishnoi, Mohammed Shami, Arshdeep Singh, Varun Chakravarthy.

pushing by the fans in a bid to enter the Badoni won the toss and opted to bowl first.

# Arshdeep's return, batting-order in focus as India aim series win in Pune

England remained alive in the 5match T201 series against India by winning the 3rd game by 26 runs in Rajkot. As the action moves to Pune, the focus remains on India's batting line-up.

New Delhi The team selection will be in focus as India tries to seal the T20I series against England in their upcoming match at the Maharashtra Cricket Association Stadium in Pune. Set to be played on January 30, Friday, the 4th T20I gives Suryakumar Yadav's India another chance to take an unassailable lead in

India had the same chance in the previous T20I match at Rajkot, but failed to seize it after the team's batting order put up a disastrous display. Hardik Pandya, Washington Sundar,

Sanju Samson, and even Suryakumar Yadav failed to deliver as India failed to chase a modest total of 172 runs at the Niranjan Shah Stadium.In the Rajkot game, India's batting failed on multiple levels. Sanju Samson's struggles against pace continued as he fell to Jofra Archer for the third time in the series. Suryakumar Yadav's trend of low scores continued as he got out for just 14 runs. Hardik Pandya simply could not get going, as he stuttered through his innings of 35 balls in the middle overs of the game. The most fatal blow perhaps came with the promotion of Washington Sundar. The all-rounder faced 15 balls at a strike rate of 40, which stifled specialist batter Dhruv Jurel, who was slotted at No. 8 in the lineup. Jurel simply did not have enough time to build his innings.India will look to shake off all those issues and return to winning ways in the 4th T20I of the 5-match series. Pune presents India with an opportunity to seal the series and might see the team changing their combination slightly to find better balance. England, on the other hand, would



be happy with the show they put up in Rajkot. The team will hope for the likes of Harry Brook to do better against spin. England's batters have struggled to read Varun Chakravarthy for the majority of the series, and if they are to challenge India in the subcontinent, they need to find a way to tackle him.

### Team News: India vs England, 4th T20I

Assistant coach Ryan ten Doeschate revealed on Thursday, January 30, that Rinku Singh is **Predicted Playing Xis** fit and available for selection. If Rinku comes into the side, the only possible change India can make is to leave out Dhruv Jurel

from the 4th game. Jurel has not impressed so far, and it would make sense for Rinku to replace the righthander.For England, questions remain about young Jamie Smith's fitness after he sustained a calf strain in Rajkot. Given there was no press conference from England's side on Thursday, it is unclear if the likes of Jacob Bethell and Smith are fit or not. England do not have a very strong middle-order, and if Bethell and Smith are not fit, they will be in a bit of a

### **Pune Pitch and Conditions**

Pune is expected to be a very good batting track. But that could have been said about Rajkot as well. The matches in this series so far have seen slightly two-paced pitches, and one might expect that trend to continue in the 4th T20I as well. The weather in Pune is expected to be on the cooler side.

If everyone is fit, it would be ideal for England not to change their line-up.



**Looks Stunning In Chic Casuals As She** Gets Papped At Aanand L Rai's Office



Mein with Dhanush. The romantic drama will be directed by Aanand L Rai and today the actress was spotted at his office. She looked stunning in casuals as the video of her went viral on social media. In the video, shared by Instant Bollywood, we can see Kriti coming out of the car and greeting paps. She opted for a long denim skirt paired with a black tee. She looked gorgeous in minimal makeup. Kriti greets paps with a smile and also waves at them. Fans dropped heart and fire emojis in the comment section.

On Tuesday, the makers of the film released a teaser of Tere Ishq Mein showcasing Kriti in an enigmatic avatar, perfectly embodying the depth, intensity, and complexities of her character. The hauntingly beautiful score promises an unforgettable musical odyssey. Soon after Kriti was confirmed as the female lead, several fans reacted to the teaser and expressed excitement to watch their favourite actress on screen with Dhanush. "The roles Kriti is talking up recently are simply awesome, I'll be there for this film FDFS," one of the fans wrote. "Her chemistry with Dhanush looks interesting, waiting for this movie," added another. Produced by Aanand L Rai, Himanshu Sharma, produced by Bhushan Kumar and Krishan Kumar, this film promises to take audiences on a rollercoaster of emotions, with a monumental soundtrack by the legendary A.R. Rahman and poetic lyrics by Irshad Kamil. Previously, Rai revealed that Tere Ishk Mein shares thematic roots with his 2013 masterpiece, Raanjhanaa. "It is from the world of Raanjhanaa, but... it's an expansion rather than an extension. It enhances the emotional depth with a new narrative," he explained.

The film, written by Himanshu Sharma and Neeraj Yadav, promises to retain the passionate love and intensity that defined Raanjhanaa while exploring a fresh storyline. Rai has described the project as a deeply personal exploration of love and tragedy, reflecting his own evolution as a filmmaker. Tere Ishk Mein, which faced delays due to Dhanush's prior commitments, is set to begin production in October 2024, with a theatrical release targeted for 2025.



# Ameesha Patel

### On Box Office Records: 'Every Film Can't Be A Blockbuster'

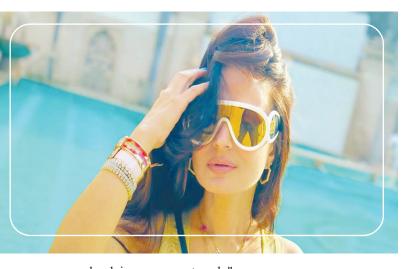
Ameesha Patel made her Bollywood debut opposite Hrithik Roshan in Kaho Naa Pyaar Hai.

meesha Patel, who made her debut with Kaho Naa Pyaar Hai, has shared her two cents on the superstar debate. The actress said that Ranbir Kapoor, Hrithik Roshan, and Kartik Aaryan are the "last of superstars". Speaking to India Today, Ameesha said, "After Salman Khan, Shah Rukh Khan and Aamir Khan, Ranbir, Hrithik, and Kartik are definitely carrying the legacy forward, that's it. I feel that's where it might end. They're the ones truly

delivering, and it's scary to think about what will happen to Bollywood after them."Ameesha Patel went on to add, "When a Shah Rukh Khan, Sunny Deol, Ajay Devgn, Salman Khan, Ranbir, or Hrithik release a film, there's this expectation that it has to match up

to their previous blockbusters. But realistically, it's impossible for every film to be a colossal hit. Success like that is rare. Every film can not be a blockbuster."

Talking about the current generation of actors, Ameesha Patel said, "I think Kartik is fabulous. Ayushmann Khurrana has done some outstanding work, and Rajkummar Rao has broken the mould to become almost like a mainstream hero. Shraddha Kapoor is



also doing some great work."

She added, "Ayushmann has taken bold steps—whether it be playing a bald man or dressing as a woman—and made them work. Similarly, Kartik has proven his ability to deliver hits consistently. Hats off to both of them for taking risks and making them count.

Ameesha Patel made a powerful comeback with Gadar 2 opposite Sunny Deol. The film broke records and set new standards at the box office.

Akshay Gets 'Best Gift' From Priyadarshan As Filmmaker Offers Hera Pheri 3 To Him, Suniel Shetty, Paresh Rawal



he Hera Pheri franchise, which kicked off in 2000, has cemented its place as one of India's most beloved comedy series. With unforgettable characters, hilarious dialogues, and timeless humor, the films continue to hold a special place in fans' hearts. Starring Akshay Kumar, Suniel Shetty, and Paresh Rawal, the first two installments became cult classics, and now, excitement is brewing over Hera Pheri 3. The latest buzz? Filmmaker Priyadarshan, who directed the first Hera Pheri, recently fueled speculation about his return to the franchise. The revelation came in a lighthearted exchange on social media, following Akshay Kumar's birthday wishes to the director.

On Priyadarshan's birthday, Akshay Kumar took to social media to share a candid moment from the sets of their upcoming film. With his signature humor, he wrote about celebrating amidst 'real ghosts and unpaid extras,' while also expressing gratitude for the director's mentorship.

Priyadarshan's response, however, stole the spotlight. Playfully acknowledging Akshay's message, he teased, "In return, I would like to give you a gift -I'm willing to do Hera Pheri 3. Are you ready @akshaykumar, @SunielVShetty, and @SirPareshRawal?'

Akshay's excitement was palpable as he replied, "Sir!!! Your birthday, but I got the best gift of my life. Chalo karte hain phir thodi hera pheri!"In a recent interview with Pinkvilla, Akshay reaffirmed his enthusiasm for the third installment. He shared that, much like the fans, he is eagerly awaiting the film's return and hinted that production could commence this year if all goes as planned. Reflecting on the franchise's legacy, he admitted that when they first made Hera Pheri, they never anticipated its enduring impact.

Even after watching it, we found it funny, but we had no idea characters like Babu Bhaiya, Raju, and Shyam would become such legends."Beyond Hera Pheri, Priyadarshan and Akshay Kumar have created several cult favorites, including Bhool Bhulaiyaa (2007), Bhagam Bhag (2006), and Khatta Meetha (2010).

### Karan Veer Mehra, Chum Darang Pout In New Photos With Shilpa Shirodkar From Their House Party



aran Veer Mehra and Chum Darang recently had a blast when they reunited with their ►Bigg Boss 18 friends Shilpa Shirodkar and Digvijay Singh Rathee. While several pictures and videos from their bash are already going viral on social media, Shilpa has now shared new photos from their intimate celebration.On Thursday, Shilpa Shirodkar took to her Instagram handle and shared a series of pictures in which she was seen posing with Chum, Karan Veer and Digvijay. In one of the clicks, Digvijay was seen taking a selfie as Chum and Karan made a pout. Another photo featured the Bigg Boss stars posing for the camera, flaunting their smiles.



In the caption of her post, Shilpa joked, "Jahan chaar yaar mil jayein toh kya hua hoga Therefore, Digvijay rushed to the comments section and replied, "Aish hoti hai!"

Earlier today, Karan Veer Mehra also took to his Instagram handle and shared a picture with Shilpa, Chum and Digvijay from their house party. In the caption of his post, he penned down a note on friendship and love and wrote, "Kisi k haat ki taqdeer hai dost, Humre pass jo tasveer hai dost, Nazar aaye toh ussay dur rehna, Mohobat ek udta teer hai dost."Bigg Boss 18 concluded on January 19. While Karan Veer Mehra emerged as the show's winner, Chum was also one of the finalists. Other finalists on the show were Vivian Dsena, Rajat Dalal, Avinash Mishra and Eisha Singh.

After the Bigg Boss 18 finale, News18 Showsha exclusively asked Chum if she had a romantic bond with Karan Veer Mehra. "This friendship will go on. Hum logo ne sirf ghar ke andar ke liye friendship nahi banaya hai, definitely. The friendship will continue outside the house also,"